सिटी चीफ

News सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-10
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

हर मुश्किल अपने साथ एक नया अवसर लेकर आती है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 16 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

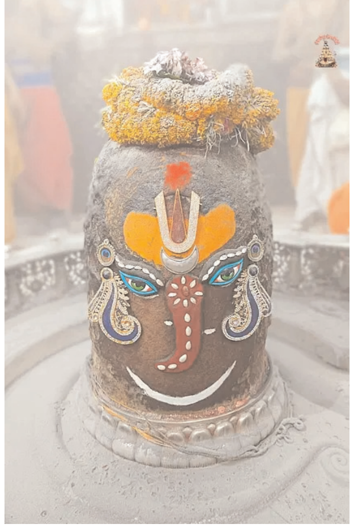

ईडी ने किया समन तो पेश होने पैदल ही चल पड़े रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा को जमीन सौदे से जुड़े मामले में दूसरी बार पूछताछ के लिए बुलाया तो वे ईडी के सामने पेश होने पैदल ही चल पड़े। उन्हें मंगलवार को ईडी के सामने पेश होने को कहा गया था। ईडी ने उन्हें 8 अप्रैल को भी समन भेजा था, लेकिन वे उस दिन नहीं पहुंचे थे। यह मामला हरियाणा के शिकोहपुर में जमीन सौदे और उससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग की जांच से जुड़ा है। ईडी रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी में हुए पैसों के लेन-देन की जांच कर रही है। ईडी के मुताबिक, रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी ने फरवरी 2008 में ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज नाम की कंपनी से गुड़गांव के शिकोहपुर इलाके में 3.5 एकड़ जमीन 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी थी। कुछ समय बाद वाड्रा की कंपनी ने वही जमीन डीएलएफ नाम की बड़ी रियल एस्टेट कंपनी को 58 करोड़ रुपये में बेच दी। ईडी को शक है कि यह सौदा मनी लॉन्ड्रिंग यानी काले धन को सफेद बनाने की योजना का हिस्सा हो सकता है। इसलिए एजेंसी इस जमीन सौदे से हुए इतने ज्यादा मुनाफे के पीछे के पैसों की जांच कर रही है। ईडी के समन को लेकर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि ये लोग हमेशा मुझे दबाने की कोशिश करते हैं। जब भी मैं जनता की आवाज उठाता हूं, ये लोग मुझे रोकने की कोशिश करते हैं। मुझे कुछ भी छिपाने की जरूरत नहीं है। मैं हर सवाल का जवाब देता हूं और आगे भी देता रहूंगा। वो पैदल चलकर ही ईडी के ऑफिस गए। रॉबर्ट वाड्रा ने जमीन सौदे के बारे में कहा कि ईडी ने पूरी छानबीन कर ली, लेकिन कुछ भी नहीं मिला और आगे भी कुछ नहीं मिलेगा।

क्लाइमेट चेंज के बीच अच्छी खबर- मानसून को लेकर भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कर दी भविष्यवाणी

किसानों और आम लोगों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। गर्मी ने भले ही इस बार जल्दी दस्तक दे दी हो लेकिन मानसून को लेकर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बड़ा अपडेट दिया है। आईएमडी ने मंगलवार को इसे लेकर अच्छी खबर दी है। आईएमडी ने कहा है कि इस बार मानसून में सामान्य से ज्यादा बारिश होगी। इससे किसानों और आम लोगों को राहत मिलेगी। आईएमडी के प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि इस पूरे मानसून सीजन में अल नीनो की स्थिति नहीं बनेगी। भारत में मानसून के चार महीनों यानी जून से सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस बार बारिश का आंकड़ा 87 सेंटीमीटर के दीर्घकालिक औसत का 105 फीसदी रहेगा। खास बात कि मध्यप्रदेश में सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान जताया गया है। आईएमडी चीफ मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि अल नीनो की स्थिति, जो भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम मानसून बारिश से जुड़ी है, इस बार विकसित होने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग की ओर से ये भविष्यवाणी ऐसे समय में आई है जब देश के कई हिस्से भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। मानसून में बारिश का असर सीधे खेती पर पड़ता है। अच्छा मॉनसून रहना भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बहुत जरूरी है। लगभग 42.3 फीसदी आबादी की आजीविका इसी पर निर्भर है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 18.2 फीसदी का योगदान करता है। देश के 52 फीसदी कृषि क्षेत्र में बारिश से ही सिंचाई होती है। यह देशभर में पीने के पानी और बिजली उत्पादन के लिए जलाशयों को भरने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

उम्मीद से ज्यादा बारिश का अनुमान आईएमडी के अनुसार, सामान्य बारिश का मतलब है कि चार महीने के मानसून सीजन में 87 सेंटीमीटर की औसत बारिश का 96 फीसदी से 104 फीसदी तक बारिश होना। यह औसत पिछले 50 सालों के आंकड़ों पर आधारित है। सीधे शब्दों में कहें तो, आईएमडी का कहना है कि इस बार मानसून अच्छा रहेगा। किसानों को फायदा होगा और पानी की समस्या भी कम होगी। हालांकि, हमें जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले बदलावों के लिए तैयार रहना होगा। बारिश कभी भी एक जैसी नहीं होती, इसलिए हमें पानी का सही तरीके से इस्तेमाल करना होगा।

यहां होगी सामान्य से अधिक और सामान्य से कम बारिश आईएमडी के मुताबिक मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल मराठवाड़ा और उससे सटे तेलंगाना में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है। वहीं बिहार, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, तमिलनाडु, और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम बारिश का अनुमान है।

जबलपुर-शहडोल संभाग में ज्यादा बरसेंगे बादल आईएमडी के अनुमान के मुताबिक मध्यप्रदेश में 104 से 106 प्रतिशत यानी, औसत 38-39 इंच बारिश हो सकती है। जबलपुर-शहडोल संभाग में सबसे ज्यादा पानी गिरेगा, जबकि ग्वालियर, चंबल, इंदौर, उज्जैन और भोपाल संभाग में भी कोटा फुल हो सकता है। बता दें कि साल 2023 में प्रदेश के 25 से ज्यादा जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई थी, लेकिन पिछले साल भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर समेत 44 जिलों में कोटे से ज्यादा बारिश हुई थी। नतीजा यह रहा है कि सोयाबीन का उत्पादन प्रति हेक्टेयर 2 क्विंटल तक बढ़ गया। वहीं, गेहूं-चने के लिए भी अच्छा पानी गिर गया। इस बार भी मौसम विभाग ने प्रदेश में मानसून के सामान्य से बेहतर रहने की उम्मीद जताई है।

मई-जून में बढ़ेंगे लू के दिन आईएमडी प्रमुख ने कहा कि इस साल अल नीनो की स्थितियां नहीं बनेंगी। देश के कई हिस्सों में अभी भीषण गर्मी पड़ रही है। मई और जून में हीटवेव्स दिनों की संख्या में इजाफा होगा। इससे पावर ग्रिड पर प्रेशर बढ़ेगा और पानी की कमी होगी। देश का 52 फीसदी खेतिहर इलाका मानसून पर निर्भर करता है। मानसून में पानी के स्त्रोतों की कमी पूरी होती है। ऐसे में सामान्य मानसून बड़ी राहत की खबर है। स्काईमेट ने जताया है यह अनुमान 8 अप्रैल को एक निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट ने अनुमान लगाया कि इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून एलपीए के 103 प्रतिशत पर सामान्य रहेगा। बता दें कि 2023 में अल नीनो साल में मानसून के मौसम में 6 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। हालांकि, 2024 में तटस्थ स्थितियों के कारण 8 प्रतिशत की अधिकता थी। अल नीनो के कारण आमतौर पर मध्य प्रशांत क्षेत्र में तापमान में 0.5 से 1 डिग्री सेल्सियस का इजाफा होता है। सामान्य मानसून का स्तर एलपीए के 96 प्रतिशत से 104 प्रतिशत तक होता है।

पहले हो चुकी रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन की भविष्यवाणी इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी कृषि विभाग की अंतरराष्ट्रीय शाखा ने भारत में तीसरे साल रिकॉर्ड गेहूं की फसल की भविष्यवाणी की थी क्योंकि पिछले साल औसत से अधिक बारिश ने मिट्टी की नमी में सुधार किया था। इस साल सामान्य मानसून की धारणा के साथ इसने 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले 2025-26 के मार्केटिंग वर्ष में लगभग रिकॉर्ड चावल की फसल का भी अनुमान लगाया है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले साल मानसून की बारिश लंबी अवधि के औसत का 108 प्रतिशत थी, जिससे यह फसलों को बढ़ावा देने वाला चार साल का सबसे अच्छा बारिश का मौसम बन गया। इसके बाद 2023 में आधे दशक में सबसे कम बारिश का मौसम रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रतलाम में अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन का शुभारंभ पर की घोषणा

रतलाम। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को रतलाम पहुंचे। यहां उन्होंने अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने मजदूरों के प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि श्रमिकों की सभी समस्याओं का समाधान भोपाल में विभागों से समन्वय कर किया जाएगा। वनवासी तथा मजदूर वर्ग की बेहतरी के लिए कार्य करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस मौके पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के मजदूरों को हर माह अनुग्रह राशि देने की भी बात कही। सीएम डॉ. मोहन यादव ने बताया कि सरकार श्रमिकों को हर माह 5 हजार रुपए अनुग्रह राशि देने की कार्ययोजना बना रही है। इसके अंतर्गत वस्त्र उद्योग में काम करने वाले मजदूरों को प्रति मजदूर 5 हजार रुपए दिए जाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अलीराजपुर क्षेत्र के मजदूर काम की तलाश में गुजरात के सूरत जाते हैं। इनके लिए अब अलीराजपुर में ही हीरा फैक्ट्री के माध्यम से रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने धार और झाबुआ जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की। अधिवेशन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार रोजगार मूलक उद्योगों को स्थापित करने को बढ़ावा दे रही है जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल सके। उन्होंने अधिवेशन में मिले ज्ञापन पर भोपाल में महासंघ के साथ बैठक करके हर बिंदु पर निर्णय लेने की बात कही।

सज्जन मिल के मजदूरों को जल्द मिलेगा पैसा सीएम ने बताया कि राज्य सरकार ने इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4800 मजदूरों के 224 करोड़ रुपयों के बकाया का भुगतान करा दिया है। उन्होंने रतलाम की सज्जन मिल के मजदूरों का बकाया भुगतान भी जल्द करवाने का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में कहा कि देश के हित में करेंगे काम, और काम के लेंगे पूरे दाम, यह भारतीय मजदूर संघ का नारा है। सरकार की ओर से देशहित में काम करने वाले मजदूरों को उनका पूरा हक दिया जाएगा।

संबल योजना में पंजीयन कराने की अपील की सीएम ने मजदूरों के लिए चलाई जा रही संबल योजना में पंजीयन कराने की अपील की। योजना में स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास आदि के लिए श्रमिकों को लाभान्वित किया जा रहा है। परिवार के सदस्य की आकस्मिक मृत्यु होने पर परिवार के संबल के लिए अनुग्रह राशि दिए जाने का भी प्रावधान किया गया है। कार्यक्रम में रतलाम महापौर प्रहलाद पटेल ने स्वागत् उद्बोधन दिया। अखिल भारतीय मजदूर महासंघ के अध्यक्ष सुरेंद्रसिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। विधायक सभागृह रतलाम में आयोजित अधिवेशन में प्रदेश के सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप, विधायक मथुरालाल डामर, विधायक चिन्तामण मालवीय, जिला पंचायत अध्यक्ष लालाबाई शंभूलाल चंद्रवंशी, पूर्व मंत्री हिम्मत कोठारी भी उपस्थित थे।

हर किसान के खेत पर पानी और बिजली पहुंचाना प्राथमिकता मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि किसानों की स्थिति बेहतर करने के लिए हर किसान के खेत पर पानी पहुंचाना, बिजली के संसाधन पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को मोटा अनाज (श्री अन्न) उत्पादन के लिए प्रेरित करने के लिए रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना अन्तर्गत कोदो, कुटकी, मक्का तथा मोटे अनाज उत्पादन करने वाले कृषको को एक हजार रुपए प्रति क्विंटल का अनुदान दिया जाएगा। डॉ. अम्बेडकर जयन्ती के अवसर से सरकार द्वारा गोपालकों से सहकारिता समितियों के माध्यम से दूध खरीदने की व्यवस्था के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना प्रारम्भ की जा रही है। पशुपालन अन्तर्गत दुग्ध उत्पादन के लिए सहकारिता आधारित कार्य किया जा रहा है।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने दायर किया आरोपपत्र

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर शिकंजा कसते हुए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपपत्र दायर किया है। जांच एजेंसी की ओर दिल्ली की राउस एवेन्यू कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया गया है। ईडी ने दोनों नेताओं को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया गया है। आरोपपत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा, सुमन दुबे समेत कई नेताओं के नाम भी शामिल हैं। ईडी की ओर से दाखिल किए गए आरोपपत्र पर राउस एवेन्यू कोर्ट में 25 अप्रैल को सुनवाई होगी। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़ी संपत्तियों पर कब्जा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र की स्थापना 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने की थी। यह स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक था। इसे असोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड यानी एजेएल द्वारा प्रकाशित किया जाता था। 2008 में वित्तीय संकट के बाद समाचार पत्र बंद हो गया और यहीं से इस विवाद की शुरूआत हुई। 2010 में यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड वाईआईएल नामक कंपनी बनी।

दुनिया के प्रदूषित शहरों की लिस्ट जारी, 100 में से 74 सिर्फ भारत के

नई दिल्ली। प्रदूषण को लेकर हुए नए शोध में दुनिया के 100 सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 74 शहर अकेले अपने भारत में ही हैं। इसकी वजह से प्रदूषित इन भारतीय शहरों में वायु और ध्वनि प्रदूषण से स्ट्रोक का खतरा ज्यादा है। स्वीडन के करोलिंस्का इंस्टीट्यूट के एनवायर्नमेंटल मेडिसिन संस्थान का शोध जर्नल एनवायरनमेंट इंटरनेशनल में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों ने यूरोपीय संघ और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशा-निर्देशों के आधार पर यह विश्लेषण किया है। इस रिसर्च में डेनमार्क, स्वीडन, और फिनलैंड के करीब 1.37 लाख एडल्ट के डेटा को शामिल किया गया है। इस जांच को नतीजों में यह पाया गया कि से पता चला है कि पॉल्यूशन के महीन कण पीएम 2.5 की मात्रा में प्रति घन मीटर 5 माइक्रोग्राम की बढ़त होने पर स्ट्रोक के खतरा बढ़ जाता है। शोध रिपोर्ट के मुताबिक यह खतरा 9 फीसदी तक बढ़ सकता है।

सरकार को बड़ी पहल करने की जरूरत शोध के निष्कर्ष यह तय हो गया है कि ये भारत जैसे देशों के लिए भी एक गंभीर चेतावनी है। भारत में अकेले वायु प्रदूषण ही नहीं ट्रैफिक का शोर भी बहुत होता है। यहां दोनों ही एक बड़ी समस्या है। सर्वे में यह पाया गया है कि दुनिया के 100 सबसे प्रदूषित शहरों में से अकेले 74 नगर भारत में ही हैं। रिपोर्ट में इस बात पर भी जोर डाला गया है कि बढ़ते प्रदूषण का असर सभी महानगरों पर पड़ रहा है। यहां तक कि कोलकाता, बेंगलुरू और हैदराबाद जैसे शहरों की स्थिति ज्यादा चिंताजनक है। जबकि इन शहरों में भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियां अन्य शहरों की अपेक्षा कहीं ज्यादा अनुकूल हैं। ऐसे महानगरों गंभीर स्थिति को देखते हुए सरकार को बड़ी पहल करने की जरूरत है।

प्रदूषण से सबसे बड़ा खतरा ब्रेन स्ट्रोक हवा में प्रदूषण और यातायात के शोर से सबसे ज्यादा खतरा ब्रेन स्ट्रोक का रहता है। इतना ही प्रदूषण के बढ़ने से इसका खतरा 9 फीसदी तक बढ़ जाता है। जान लें कि हवा में मौजूद सूक्ष्म कण और ट्रैफिक की आवाज दोनों मिलकर सेहत को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। इसतरह के प्रदूषण से ब्रेन स्ट्रोक का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

ट्रैफिक शोर से भी बढ़ता है ब्रेन स्ट्रोक का खतरा शोध के आधार पर यह भी कहा गया है कि इसी तरह ट्रैफिक का शोर यदि 11 डेसिबल बढ़ जाता है तो ये खतरा 6 फीसदी तक बढ़ जाता है। इतना ही नहीं जब ये दोनों कारक एक साथ मौजूद होते हैं तो खतरा और अधिक बढ़ जाता है। रिसर्च में यह पाया गया कि शांत इलाकों में, जहां शोर 40 डेसिबल तक पहुंचा हुआ था, वहां पीएम 2.5 के बढ़ने से स्ट्रोक का खतरा 6 प्रतिशत बढ़ गया। वहीं अधिक शोर वाले क्षेत्रों यानी 80 डेसिबल में यह खतरा 11 फीसदी तक चला गया।

मेहुल चोकसी को भारत लाने की प्रोसेस हुई तेज, आवेदन बेल्जियम पहुंचा

नई दिल्ली। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ईडी और सीबीआई ने स्थानीय अधिकारियों से चोकसी को भारत प्रत्यर्पित करने का अनुरोध किया था। यह गिरफ्तारी 13,500 करोड़ रुपए के कथित बैंकिंग धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई है। चोकसी पर भारत में मुकदमा चलेगा। गिरफ्तारी के बाद चोकसी अब जेल में ही रहेगा। जब तक प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, वह जेल से बाहर नहीं आ पाएगा। इस बीच चोकसी को भारतीय कानून के कठघरे में लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। बेल्जियम में गिरफ्तार हीरा कारोबारी की कस्टडी हासिल करने के लिए भारत का प्रत्यर्पण आवेदन बेल्जियम पहुंच गया है। इस मामले में जल्द कार्रवाई शुरू होने की उम्मीद है। बेल्जियम सरकार के न्याय विभाग ने एक भारतीय न्यूज पोर्टल को बताया कि मेहुल चौकसी को संभावित कानूनी प्रक्रिया की कड़ी में 12 अप्रैल 2025 को गिरफ्तार किया गया। उसे अंतरीप से बीते शनिवार को गिरफ्तार किया गया। बेल्जियन फेडरल पब्लिक सर्विस ऑफ जस्टिस ने अपने जवाब में कहा कि भारत सरकार की तरफ से उसके लिए प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा गया है। हालांकि अधिकारियों ने लंबित कानूनी प्रक्रिया का हवाला देते हुए कहा कि इस बारे में अभी अधिक कुछ नहीं बताया जा सकता है। बेल्जियन अधिकारियों ने बताया कि मेहुल को भी अपना पक्ष रखने का मौका मिलेगा।

यहां फंस रहा पेच हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया है, लेकिन हाल ही में यूके की अदालत ने एक फैसला दिया था। इसमें तिहाड़ जेल के अंदर गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या का जिक्र था। यूके की अदालत ने संजय भंडारी को भारत भेजने से इनकार कर दिया था। बेल्जियम भी ऐसा ही कर सकता है। तिहाड़ जेल को अधिकतम सुरक्षा वाली जेल माना जाता है। बेल्जियम की अदालतें मानवाधिकारों के मुद्दों पर कम संवेदनशील नहीं होंगी। भगोड़े अकसर इसका इस्तेमाल करते हैं। वे जिस देश में अपराध करते हैं, वहां न्याय से बचने के लिए ऐसा करते हैं।

प्रत्यर्पण के लिए एजेंसियां जाएंगी बेल्जियम भारतीय एजेंसियों की एक टीम जल्द ही बेल्जियम की अदालत में चोकसी के प्रत्यर्पण के लिए जाएगी। एजेंसियां दस्तावेज तैयार कर चुकी हैं। इन दस्तावेजों को प्रत्यर्पण अनुरोध के साथ जमा किया गया। इनमें भारतीय अदालतों में उसके खिलाफ दायर आरोप पत्र और गैर-जमानती वारंट शामिल हैं। अदालतें आपराधिक आरोपों पर ध्यान दे रही हैं। यह प्रत्यर्पण अनुरोध की प्रमुख शर्तों में से एक है।

कैंसर से पीड़ित है मेहुल चोकसी मेहुल चोकसी को कैंसर है। वह इलाज के लिए अकसर बेल्जियम जाता रहता है। इसी वजह से एजेंसियों ने तेजी से कार्रवाई की और उसके प्रत्यर्पण के लिए अर्जी दी। सूत्रों ने बताया कि पहले उसने वापस एंटीगुआ भागने की कोशिश की थी। लेकिन, उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और उसे वापस रहना पड़ा।

तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर बैठे पिता और एक साल की बेटी को कुचला

इंदौर। इंदौर के सिमरोल थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम घोसीखेड़ा में सोमवार रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। रात करीब 8.30 बजे एक तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर बैठे एक पिता और उसकी एक साल की मासूम बेटी को टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में बेटी मरियम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिता अज्जू उर्फ अहमद शेख (45 वर्ष) को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के वक्त पिता

अपनी बच्ची को गोद में लेकर खेला रहे थे स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के वक्त कार की गति बेहद तेज थी और टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मासूम मरियम कुछ दूरी पर जा गिरी। सिमरोल पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कार चालक नशे की हालत में था। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों की मदद से घायल अज्जू को निजी अस्पताल की एम्बुलेंस से एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मौके से भाग निकला कार ड्राइवर

हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने बताया कि जोरदार आवाज सुनकर वे बाहर निकले, तो देखा कि पिता-बेटी सड़क पर अलग-अलग गिरे पड़े थे। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दुर्घटनाग्रस्त कार का पीछा किया और उसे पकड़ भी लिया, लेकिन ड्राइवर मौका पाकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, कार इंदौर में रजिस्टर्ड है और फिलहाल चालक की तलाश की जा रही है।

मरियम थी सबसे छोटी संतान

इस दर्दनाक हादसे के बाद शेख परिवार में मातम छा गया है। परिजनों के अनुसार, अज्जू खेती-किसानी से जुड़े काम करते थे और उनका परिवार मूल रूप से ग्राम घोसीखेड़ा में रहता है। उनका एक घर इंदौर के चंदन नगर इलाके में भी है। अज्जू के तीन बच्चे थे एक बेटा और दो बेटियां, जिनमें मरियम सबसे छोटी थी। उनकी असामयिक मृत्यु से पूरे गांव में शोक की लहर है और ग्रामीणों ने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

इंदौर सराफा में हर दिन 50 से 70 करोड़ के सोने के गहनों की खरीदारी

शुद्ध सोने की खरीदी 70 करोड़ से लेकर करीब डेढ़ सौ करोड़ रुपए तक

इंदौर। देश में तेजी से बढ़ती महंगाई जहां आम आदमी की कमर तोड़ रही है, वहीं गोल्ड यानी सोने को लेकर लोगों की दीवानगी कम होने का नाम नहीं ले रही है। स्थिति यह है कि बीते 6 महीने में ही सोने के भाव में करीब 40000 रुपए का उछाल आ चुका है। सोने के दाम अब भी कम हो पाने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि इसके बावजूद इंदौर में प्रतिदिन करोड़ो रुपए की सोने की खरीदी बिक्री हो रही है। 'दौर सराफा बाजार में प्रतिदिन करीब 50 से 70 करोड़ रुपए के आभूषणों की बिक्री हो जाती है। जबकि शुद्ध सोने की बिक्री इससे तीन गुना है।

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मार्केट और सोने के प्रति बढ़ते आकर्षण के चलते दुनियाभर में इसकी मांग है। ज्वेलरी के अलावा शुद्ध सोने का बुलियन मार्केट भी यहां प्रतिदिन 70 करोड़ से लेकर करीब डेढ़ सौ करोड़ तक का है। इंदौर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष हुकुम सोनी के मुताबिक यहां बुलियन कहे जाने वाले शुद्ध सोने की मांग इसलिए भी है, क्योंकि इंदौर मध्यप्रदेश की ज्वेलरी का हब है। यही से शुद्ध सोने की खरीदी आभूषण निर्माण के लिए होती है।

आसपास के व्यापारी आते हैं खरीदारी करने

लिहाजा इंदौर के अलावा रतलाम समेत आसपास के विभिन्न जिले और भोपाल सीहोर तक सोने के व्यापारी इंदौर से ही खरीदी करते हैं। इतना ही नहीं मुंबई से इंदौर की तरफ रुख कर रहे ज्वेलरी के इंटरनेशनल ब्रांड भी शुद्ध सोने को सराफा बाजार से ही खरीदते हैं। इसके बाद में अपने हिसाब से डिजाइन तैयार करके ज्वेलरी का निर्माण कराते हैं।

इस साल 23त्न हो चुकी दाम में बढ़ोतरी

अमेरिका के टैरिफ वार के कारण सोने के दाम बढ़े हैं, लेकिन माना जा रहा है कि बाजार के सामान्य होने से सोने के भाव में कमी आ सकती है। विशेषज्ञों की माने तो इस साल सोने की कीमतों में करीब 23 परसेंट की वृद्धि हो चुकी है, जो फिलहाल इंदौर में 95687 रुपए प्रति 10 ग्राम के हिसाब से बिक रहा है। हालांकि इस वृद्धि का कारण दुनिया भर शेयर बाजार की स्थिरता व्यापारिक स्तर पर युद्ध का असर और डॉलर के दामों में गिरावट भी है। वहीं बैंकों के ब्याज दर में कटौती के कारण भी सोने का भाव प्रभावित हुआ है।

इसलिए भी है डिमांड में सोना

सोने की खरीदी इसलिए भी डिमांड में रहती है, क्योंकि एक करोड़ की सोने की सिल कहीं भी आसानी से रखी जा सकती है। जबकि जमीन और अन्य संपत्ति संबंध निवेश में करोड़ों रुपए उजागर होने की आशंका होती है, यही वजह है कि प्रशासनिक वर्ग और अन्य निवेशक अब सोने की खरीद को सबसे सुरक्षित और आसान निवेश मानकर चल रहा है।

बुजुर्ग महिला के साथ ठगी, उतरवा लिए गहने, दस दिन बाद केस दर्ज

इंदौर। इंदौर के मल्हारगंज क्षेत्र में एक बुजुर्ग महिला के साथ ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला सहित दो युवकों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया। यह घटना करीब 10 दिन पुरानी है, लेकिन पीड़िता ने डर के चलते किसी से इसका जिक्र नहीं किया। बाद में जब परिचितों को जानकारी दी गई तो अब महिला थाने पहुंची, जहां पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस को शक है कि यह वारदात उसी ठग गैंग की हो सकती है, जिसने कुछ दिन पहले भंवरकुआं क्षेत्र में भी एक बुजुर्ग महिला को ठगा था। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पीड़िता विद्या जैन, जो महंत कॉम्प्लेक्स, मल्हारगंज में रहती हैं, ने बताया कि वह मारवाड़ी जैन मंदिर के पास किताबें बेचने का काम करती हैं। 4 अप्रैल की रात वह पैदल अपने घर लौट रही थीं, तभी छीपा बाखल के पास लड्‌ढा किराना दुकान के सामने एक महिला और दो युवक उनके पास पहुंचे। उन्होंने एक थैली में नोटों की गड्डी दिखाते हुए कहा कि उनके पास कुछ पैसे हैं, जिन्हें गिनवा देना है। उन्होंने यह भी कहा कि इन रुपयों में से कुछ हिस्सा महिला को भी देंगे। तीनों ने बुजुर्ग महिला को एक ओटले पर बैठाकर पैसे गिनवाने का नाटक किया। उस दौरान महिला आरोपी ने कहा कि वह इसमें अपना मंगलसूत्र डाल रही है, आप भी अपने कान के टॉप्स और अन्य गहने रख दीजिए, बाद में सब मिलकर रुपए बांट लेंगे। ठगों ने महिला से गहने उतरवा लिए और रुपए की गड्डी बताकर थैली में रख दी। फिर नाश्ता करने का बहाना बनाकर वहां से चले गए। जब बुजुर्ग महिला ने थैली खोली तो उसमें पत्थर और कागज के टुकड़े निकले। महिला इस घटना से डर गई और कुछ दिन तक चुप रहीं। बाद में जब उन्होंने अपनी बिल्डिंग के अध्यक्ष को घटना बताई, तब उन्हें थाने जाकर रिपोर्ट करने की सलाह दी गई।

मल्हारगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को संदेह है कि यह वारदात उसी गिरोह की हो सकती है जो भंवरकुआं क्षेत्र में भी ऐसी ही ठगी कर चुका है। पुलिस अब घटनास्थल और आसपास के इलाकों में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

कलेक्ट्रेट परिसर में युवक ने खुद पर छिड़का पेट्रोल, पुलिस पर लगाए आरोप

इंदौर। इंदौर में कलेक्ट्रेट कार्यालय में मंगलवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक युवक ने पैसों की लेनदेन और पिछले दो साल से कार्रवाई नहीं होने के कारण आत्महत्या करने का प्रयास किया। हालांकि वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उनके हाथ से माचिस छीनकर मामले को शांत किया। कलेक्टर ऑफिस पहुंचे मोहम्मद समीर का कहना था कि पैसों की लेनदेन से परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया। पिछले दो सालों से पुलिस के पास जाकर शिकायत दर्ज करवा रहे हैं, इंदौर एसपी ऑफिस और खजराना थाना के चक्कर काटकर वह परेशान हो चुके थे। मकान बनाने वाले इंजीनियर ने उन्हें आश्वासन दिया था कि मकान बनाकर बेचा जाएगा और उसमें प्राप्त राशि उन्हें भी दी जाएगी। इस दौरान समीर से 9,50,000 लेकर 50,000 हर महीने लौटने का वादा किया था लेकिन आज तक पैसे नहीं लौटाए। इसकी शिकायत लेकर पिछले कई सालों से वह पुलिस के चक्कर काट रहे हैं। आगे मोहम्मद समीर ने आरोप लगाया कि उनके पास सारे सबूत होने के बावजूद भी पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। युवक ने बताया कि मैं दो साल से खजराना थाना से लेकर एसपी ऑफिस तक कई चक्कर लगा चुका हूं लेकिन मेरी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। आज भी मैंने ऊपर जनसुनवाई में आने के पहले रसीद कटवाई। फिर ऊपर आया तो काफी समय हो गया, इसलिए और भी ज्यादा परेशान हो गया। उसने आवेदन में किसी जावेद हुसैन इंजीनियर पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। मामला अधिकारियों के पास पहुंचा है। उन्होंने उसे आश्वस्त किया कि वे पूरा मामला समझकर उसे सहयोग करेंगे। उससे सारा मामला समझा जा रहा है।

गर्मी के तेवर और तीखे हुए, लोग हुए बेहाल

इंदौर। इंदौर में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। बीते तीन दिनों से छाए बादलों और हल्की बूंदाबांदी के बाद अब तापमान में फिर से वृद्धि देखी जा रही है। सोमवार से शुरू हुई गर्मी ने मंगलवार को और अधिक तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि मध्यप्रदेश में अब हीट वेव यानी लू का असर दिखाई देने लगेगा। खासकर इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और चंबल संभाग के जिलों में लू चलने की संभावना जताई गई है। इंदौर में मंगलवार को तापमान में अचानक उछाल देखा गया। तीन दिन की राहत के बाद फिर से गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। मंगलवार को अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सोमवार से 1.1 डिग्री अधिक रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान भी 23.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो बीते दिन से 1.6 डिग्री अधिक था। यह दर्शाता है कि अब रातों में भी गर्मी का असर महसूस किया जाने लगा है। मौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार रैकवार ने जानकारी दी कि आने वाले दो दिनों में प्रदेश में मौसम का दोहरा रूप देखने को मिलेगा। जहां कुछ जिलों में तेज गर्मी रहेगी, वहीं कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है। 16 अप्रैल को भी कुछ जिलों में बारिश हो सकती है, जबकि 11 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही, 17 और 18 अप्रैल को भी प्रदेश के कई हिस्सों में लू चलने की संभावना जताई गई है।

एमआरआई के लिए मरीजों को जाना पड़ रहा निजी केंद्रों पर

इंदौर। मध्यभारत के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमवायएच में मरीजों को एमआरआई जांच के लिए अब भी निजी केंद्रों पर जाना पड़ रहा है। कई महीनों से एमवायएच प्रशासन कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कर पाया है। हालांकि अब एमजीएम मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने खुद की एमआरआई मशीन लगाने का निर्णय लिया है। दावा किया जा रहा है कि चार महीने में मशीन इंस्टॉल कर जांच शुरू कर दी जाएगी। खरीदी के आदेश किए जा चुके हैं।

अब तक एमवायएच में एमआरआई की सुविधा पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के तहत मिल रही थी, लेकिन अनुबंध समाप्ति के बाद निजी कंपनी कृष्णा डायग्नोस्टिक सेंटर ने मशीनें हटाना शुरू कर दिया है। इसलिए एमआरआई जांच पूरी तरह बंद है। यहां तक कि आयुष्मान भारत योजना के तहत भी कोई व्यवस्था नहीं है। फिलहाल सीटी स्कैन मशीन से काम चलाया जा रहा है। मरीजों को गंभीर बीमारी की स्थिति में भी मजबूरी में निजी डायग्नोस्टिक सेंटर्स पर भारी रकम चुकाकर एमआरआई कराना पड़ रहा है। इधर, मेडिकल कॉलेज प्रशासन एमवायएच में खुद की सीटी स्कैन और एमआरआई जांच मशीन इंस्टॉल करेगा। खरीदी के आदेश कंपनी को दिए जा चुके हैं। डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने बताया कि मशीन की खरीदी और इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया की पूरी तैयारी है। जगह खाली होते ही दोनों मशीनें लग जाएंगी। उम्मीद है कि आगामी चार माह में एमआरआई जांच की सुविधा मरीजों को यहीं अस्पताल में ही मिलने लगेगी। इससे न केवल मरीजों को राहत मिलेगी, बल्कि पीजी छात्रों को भी फायदा होगा।

शराब तस्करी करते हुए 6 आरोपियों को पकड़ा

इंदौर। इंदौर के कनाडिया थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात पुलिस ने शराब तस्करी करते हुए 6 आरोपियों को पकड़ा। आरोपी बोलेरो वाहन में शराब की पेटियां भरकर तस्करी के लिए ले जा रहे थे। पुलिस ने वाहन का पीछा कर सभी को गिरफ्तार कर लिया। बोलेरो से करीब 40 पेटी अवैध शराब बरामद की गई है। डीसीपी जोन-2 अभिनव विश्वकर्मा के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए कनाडिया थाना पुलिस की टीम ने बायपास स्थित फोनिक्स टाउनशिप के पास एक बोलेरो (एमपी09डब्ल्यूएल7588) को रोका। पुलिस को देखते ही आरोपी बोलेरो तेज गति से भगा ले गए, लेकिन जल्दबाजी में वाहन सड़क से नीचे उतर गया।जांच के दौरान बोलेरो में शराब की बड़ी खेप मिलने पर आरोपियों से पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने शराब को अवैध रूप से ले जाने की बात कबूली। गिरफ्तार आरोपियों में बंटी जायसवाल, गौरव इंगले, बनवारी गुर्जर, रोहित सूर्यवंशी, चंद्रभान चौहान और हेमंत बुंदेला शामिल हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि यह शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाना था। इस पूरे मामले में आबकारी विभाग को भी सूचना दी गई है।

डिकैथलॉन शोरूम में कपड़े बदल रही महिला को छिपकर घूरता दिखा कर्मचारी

इंदौर। इंदौर स्थित डिकैथलॉन शोरूम के कर्मचारी द्वारा चेंजिग रूम में महिला को कपड़े बदलते हुए देखने का मामला सामने आया है। चेंजिग के दौरान ताकझाक कर रहे कर्मचारी को महिला ने ऐसा करते पकड़ लिया। इस पर महिला जोर से चिल्लाई तो युवक भागने लगा और इस दौरान गिर गया।महिला ने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। पलासिया पुलिस के अनुसार कल एक महिला ग्राहक डिकैथलॉन शोरूम पर शॉपिंग करने पहुंची थी। इस दौरान पीड़िता ने कपड़े पसंद किए और फिर ट्रायल रूम में ट्राय करने चली गई। तभी शोरूम का सेल्समैन दिव्यांशु महिला को कपड़े बदलते हुए देख रहा था। इस दौरान महिला ने कर्मचारी की हरकत पकड़ ली और शोर मचाया तो वहां भागते वक्त गिर गया।संयोगितागंज एसीपी तुषारसिंह ने बताया कि आरोपी सेल्समैन दिव्यांशु के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी कर लिया है। इस बीच जानकारी सामने आई है कि, पीड़िता पर दबाव बनाने की कोशिश भी हुई कि वो मामला रफा-दफा कर दे। लेकिन, वह नहीं मानी और अपने परिजनों के साथ पलासिया थाना पहुंचकर शिकायत जर्द कराई। इधर पुलिस मामले में पहले केस दर्ज करने में आनाकानी करते रही रही, लेकिन कुछ देर बाद केस दर्ज कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। उसका मोबाइल खंगाला जा रहा है कि पहले उसने कितने बार इस तरह की हरकत की है।

नरवाई जलाने पर प्रशासन सख्त, 77 मामलों में बनाए गए पंचनामे

इंदौर। इंदौर जिले में खेतों में फसल कटाई के बाद बचे अवशेष (नरवाई) जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन ने सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में जिलेभर में नरवाई जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अब तक 77 मामलों में पंचनामे बनाए जा चुके हैं और दोषियों पर जल्द ही अर्थदंड की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नरवाई जलाना पर्यावरण संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन है और इससे न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी प्रभावित होती है। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि नरवाई जलाने की घटनाओं पर लगातार

निगरानी रखी जाए और दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए।

किसानों पर लगेगा जुर्माना

जानकारी के अनुसार, यदि किसी किसान के पास 2 एकड़ तक की भूमि है और वह नरवाई जलाता है तो उसे 2,500 रुपए प्रति घटना, 2 से 5 एकड़ के लिए 5,000 रुपए और 5 एकड़ से अधिक भूमि के लिए 15,000 रुपए प्रति घटना का अर्थदंड भरना होगा। यह दंड पर्यावरण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के तहत लगाया जाएगा।

किसानों को जागरूक करने की मुहिम जारी

प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे नरवाई न जलाएं और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें। नरवाई के वैकल्पिक उपयोग के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। कृषि विभाग का अमला फरवरी से ही पंचायत स्तर पर किसानों को प्रशिक्षण देकर नरवाई प्रबंधन के प्रति जागरूक कर रहा है।

कटाई के बाद नरवाई जलाना आत्मघाती कदम

प्रशासन का कहना है कि गेहूं की कटाई का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अब किसानों द्वारा नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, नरवाई जलाना खेती के लिए आत्मघाती कदम है और इससे मिट्टी की संरचना भी नष्ट होती है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस कांग्रेस नेता दिग्विजय ने कहा

पीएम मोदी गांधी विचारधारा के नहीं, रामदेव बाबा पर एफआईआर दर्ज कराने थाने पहुंचे

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जमकर घेरा है। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया है कि वह गांधीजी की विचारधारा के कतई नहीं हैं। बीजेपी के लोग गांधीजी और गांधीजी की विचारधारा के खिलाफ हैं। दिग्विजय सिंह प्रेस कांफ्रेंस के बाद योग गुरु बाबा रामदेव के खिलाफ भोपाल के टीटी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बाबा रामदेव ने अपने उत्पादों के प्रचार के दौरान ऐसी टिप्पणी की है, जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

भाजपा विधायक के बेटे की अभी तक नहीं हुई गिरफ्तारी
दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे द्वारा चामुंडा माता मंदिर के पुजारी के साथ की गई मारपीट को लेकर कहा कि कांग्रेस के विरोध और प्रदर्शन के चलते विधायक के बेटे पर एफआईआर हुई है, गिरफ्तारी अभी भी नहीं हुई है। आज भी उन्हें प्रोटेक्ट किया जा रहा है। भाजपा और भाजपा के लोगों से संबंधित लोगों को अहंकार हो गया है कि हम कुछ भी करें, पुलिस हम पर कुछ नहीं करेगी। दिग्विजय सिंह ने सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन राज्य सरकार को करने का जिक्र करते हुए कहा अशांति न फैले, इसके लिए ऐसे काम सरकार को ध्यान देना चाहिए। इंदौर में दलित परिवार के दूल्हे को मंदिर में दर्शन न करने जाने के मामले में दिग्विजय सिंह ने कहा कि महू में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लंबा-चौड़ा भाषण अंबेडकर जयंती पर दिया है लेकिन आज भी अनुसूचित जाति समाज का व्यक्ति मंदिर में न जा सके, यह घोर अपराध है। ऐसे मामले में कार्रवाई की जानी चाहिए।

क्या पंचर बनाने वाला हर व्यक्ति मुसलमान है?
दिग्विजय ने कांग्रेस के शासन में मुसलमानों के भविष्य से खिलवाड़ किए जाने और उन्हें पंचर बनाने वाला बनने के लिए मजबूर करने के सवाल पर कहा कि क्या पंचर बनाने वाला हर व्यक्ति मुसलमान है? क्या हिन्दू लोग पंचर नहीं बना रहे हैं।

बाबा रामदेव पर लगाए गंभीर आरोप
दिग्विजय सिंह ने योगगुरु बाबा रामदेव पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बाबा रामदेव ने अपने प्रोडक्ट्स की बिक्री बढ़ाने के लिए धर्म और नफरत का सहारा लिया है, जिससे देश में सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश की जा रही है। सिंह ने कहा, भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस धर्म का इस्तेमाल कर समाज में नफरत फैला रहे हैं और रामदेव जैसे लोग उनके इस एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बाबा रामदेव को व्यापारी बताते हुए कहा कि वो धर्म, स्वदेशी और राष्ट्रवाद के नाम पर नफरत फैलाकर अपने प्रोडक्ट्स बेच रहे हैं।

शरबत जिहाद के इस्तेमाल पर जताई आपत्ति
दिग्विजय सिंह ने बाबा रामदेव द्वारा एक्स पर डाले गए एक वीडियो का जिक्र किया, जिसमें रामदेव ने शरबत जिहाद शब्द का इस्तेमाल किया। उन्होंने आरोप लगाया कि रामदेव ने रूह अफजा शरबत को मुसलमानों से जोड़ते हुए कहा कि उससे मिलने वाले पैसे से मस्जिदें और मदरसे बनते हैं जबकि पतंजलि का शरबत पीने से गुरुकुल और आचार्यकुलम बनते हैं दिग्विजय सिंह ने कहा, यह बयान न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि देश के संविधान और कानून के खिलाफ भी है। यह धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है और समाज में नफरत फैलाने वाला है। उन्होंने बताया कि यह बयान भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 196 (1)(क), 299 और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत दंडनीय अपराध है। इसको लेकर वे बाबा रामदेव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगे। सिंह ने कहा कि बाबा रामदेव ने पहले भी कोरोना वैक्सीन को लेकर झूठे दावे किए थे, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी।

भोपाल में बीएमसी की नसबंदी योजना ढीली, आवारा कुत्तों का आतंक

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी में आवारा श्वानों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। जबकि बीएमसी ने शहर में एक साल में करीब 19 हजार 489 कुत्तों की नसबंदी चुका है। पिछले साल 18 हजार 497 कुत्तों की नसबंदी की गई थी। दो साल में 37 हजार 986 कुत्तों की नसबंदी हो चुकी है और इस नसबंदी कार्यक्रम में सवा चार करोड़ खर्च हो चुके हैं। बता दें कि भोपाल नगर निगम (बीएमसी) आवारा कुत्तों की नसबंदी पर सिर्फ 1100 रुपये खर्च कर रहा है, जो भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) द्वारा अनुशंसित 1650 रुपये की राशि से काफी कम है, जिसमें परिवहन के लिए 200 रुपये शामिल हैं।

बीएमसी करता है सस्ती दवाओं का उपयोग
वर्तमान में बीएमसी केवल तीन पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) केंद्र संचालित करता है, जो प्रतिदिन 25 से 40 कुत्तों की नसबंदी करता है। इन केंद्रों की देखरेख करने वाले डॉ. डीपी सिंह ने बताया कम बजट के कारण बीएमसी सस्ती दवाओं का उपयोग करता है, लेकिन नसबंदी प्रक्रियाओं की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाता है। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त रणबीर सिंह ने पुष्टि की कि जनवरी में केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव भेजा गया था जिसमें बढ़ते आवारा कुत्तों के खतरे से निपटने के लिए छह अतिरिक्त एबीसी केंद्र स्थापित करने का अनुरोध किया गया था। उन्होंने कहा कि एक बार जब नए केंद्र चालू हो जाएंगे, तो हमें कुत्तों के काटने के मामलों में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।
पिछले चार वर्षों में 55 हजार से अधिक कुत्तों की नसबंदी
बीएमसी के पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पिछले चार वर्षों में 55,000 से अधिक आवारा कुत्तों की नसबंदी की गई है। हालांकि, स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ रही है क्योंकि कथित तौर पर नसबंदी किए गए कुत्ते बढ़ते तापमान के साथ आक्रामक हो रहे हैं, अक्सर रात में वाहनों का पीछा करते देखे जाते हैं और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों पर हमला करते हैं। शहर में प्रतिदिन कुत्तों से संबंधित 15-20 शिकायतें आती हैं, कुत्तों के काटने की लगातार रिपोर्टें आती हैं, जिससे नागरिकों की जान भी चली जाती है, और यह निवासियों के लिए चिंता का विषय है।

भोपाल मे 'तीन एनीमल बर्थ कंट्रोल सेंटर
भोपाल बीएमसी के तीन लोकेशनों पर एनीमल बर्थ कंट्रोल सेंटर बने हैं। यह सेंटर आदमपुर छावनी लैंडफिल साइट, अरवलिया गौशाला के पास और कोलार कजलीखेड़ा में है। इन सेंटरों पर नगर निगम का डॉग स्क्वॉड आवारा कुत्तों को पकड़कर लाता है, इसके बाद नसबंदी होती है। रोजाना 25 से 40 कुत्तों की नसबंदी हो रही है। जबकि एबीसी की क्षमता 300 से अधिक की है। निगम अधिकारियों के मुताबिक नसबंदी करने वाली एजेंसी बाहर की है। उन्हीं के डॉक्टर नसबंदी करते हैं।

सूने मकान की रेकी कर दिन दहाड़े चोरी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

एक की तलाश; लाखों का माल बरामद

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। रातीबड़ थाना पुलिस ने दिन में रेकी कर दिन दहाड़े चोरी की वारदात करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरोह के एक व्यक्ति की तलाश है, वह फरार चल रहा है। पुलिस ने बदमाशों के पास से लाखों का सामान जब्त किया है। रातीबड़ थाना प्रभारी रास बिहारी शर्मा ने बताया कि नीलेश त्यागी (40) ग्राम सिकंदराबाद में रहते हैं और सिक्योरिटी कंपनी में गार्ड की नौकरी करते हैं। बीती 29 मार्च को दोपहर करीब एक बजे वह मकान पर ताला लगाकर ड्यूटी चले गए थे, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे शहर से बाहर गए हुए थे। रात करीब साढ़े दस बजे नीलेश घर लौटे तो ताला टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था। चैक करने पर एलईडी टीवी, लैपटाप और आठ हजार रुपए नकदी समेत अन्य सामान गायब था। इसी प्रकार ब्रह्मपुरी कालोनी नीलबड़ में रहने वाले एक रेस्टोरेंट संचालक के सूने मकान से चोर दिनदहाड़े ताला तोड़कर नकदी और जेवरात समेत हजारों का सामान चोरी कर लिया था। पुलिस ने दोनों ही मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया था।

सीसीटीवी कैमरों से मिला सुराग
थाना प्रभारी रासबिहारी शर्मा ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की अलग-अलग टीमें लगाई गई थी। शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों और रूट पर लगे करीब 800 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद दो संदेहियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपने तीसरे साथी के साथ मिलकर उक्त वारदात करना स्वीकार किया। पकड़े गए आरोपियों के नाम रोहित मरावी और अनिल रावत निवासी अयोध्या नगर बताए गए हैं। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किया गया सामान और वारदात में उपयोग की गई स्कूटर समेत ताला तोड़ने के औजार बरामद किए गए हैं।

तीसरे आरोपी की तलाश
थाना प्रभारी शर्मा ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि उनका तीसरा साथी विशाल चौहान उर्फ चाटी भी वारदात में शामिल है। विशाल फिलहाल फरार है, उसकी तलाश की जा रही है। आरोपी दिन दहाड़े घर में घुसकर अलमारियों के ताले तोड़कर अंदर रखे सामान, घर के अंदर रखी एलईडी टीवी, लैपटॉप, मोबाईल, नगदी, आभूषण चोरी कर ले जाते थे।

मुरैना में युवक की हत्या मामले में सियासत, पटवारी और कमलनाथ ने सरकार पर साधा निशाना

भोपाल। एमपी के मुरैना में अंबेडकर जयंती की रैली के दौरान डीजे बजाने को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या के मामले सियासत शुरू हो गई है । पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और पूर्व सीएम कमलनाथ ने घटना को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। जीतू पटवारी ने मृतक दलित संजय के पिता चिम्बन सिंह से वीडियो कॉल पर बात की। पटवारी ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे भाजपा सरकार की दलित विरोधी मानसिकता का जीता-जागता प्रमाण बताया है। उन्होंने कहा कि यह कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि भाजपा शासन में दलितों पर हो रहे सिलसिलेवार अत्याचारों की खतरनाक प्रवृत्ति का हिस्सा है। कमलनाथ ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मुरैना के हिंगोना खुर्द गांव में कल रात अम्बेडकर जयंती के जुलूस पर फायरिंग की गई और दलित समाज के एक युवक संजय पिप्पल की मृत्यु हो गई और एक युवक घायल हो गया। यह घटना एक बार फिर बताती है कि भाजपा की सरकार में दलित सुरक्षित नहीं हैं। भाजपा की सरकार में बाबा साहेब अम्बेडकर की जयंती पर दलित प्रसन्नतापूर्वक जुलूस भी नहीं निकाल सकते हैं। कमलनाथ ने आगे लिखा कि भाजपा की मानसिकता दलित विरोधी है और दलितों पर अत्याचार करने वालों को भाजपा प्रश्रय देती है इसी दिन महू के बेटमा में एक दलित दूल्हे की बारात को मंदिर में प्रवेश नहीं करने दिया गया। यह सब घटनाएं बता रही हैं कि भाजपा बाबा साहेब के बनाए संविधान के अनुसार सरकार चलाना नहीं चाहती और दलित समाज का उत्पीड़न करना चाहती है।

दिग्विजय के बयान पर मंत्री सारंग का पलटवार

बोले-हिंदू त्यौहारों से आपत्ति है तो पाकिस्तान चले जाएं

भोपाल। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और गुना में सांप्रदायिक तनाव की घटना को लेकर सियासी बयानबाजी पारा चढ़ा रही है। इस मामले में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के बयान पर भाजपा विधायक और मंत्री विश्वास सारंग ने पलटवार किया है। सारंग ने कहा कि देश में हिंदुओं के तीज-त्यौहार और शोभायात्रा पर कोई रोक नहीं लगा सकता। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह को हिंदू त्यौहारों से आपत्ति है, तो उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए। ये बहुसंख्यक समाज का देश है और यहां अगर हिंदू तीज-त्यौहार नहीं मनाए जाएंगे तो क्या मनाया जाएगा? विश्वास सारंग ने कांग्रेस नेता पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो व्यक्ति रामसेतु को तोड़ने का षड्यंत्र रचता है, राम मंदिर का विरोध करता है, भगवा आतंकवाद जैसे शब्द गढ़कर सनातन का अपमान करता है और जाकिर नाइक जैसे इस्लामिक कट्टरपंथी के मंच पर जाकर उसका महिमामंडन करता है, उससे और क्या उम्मीद की जा सकती है? बता दें दिग्विजय सिंह ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक तनाव की घटना पर बयान देते हुए सवाल उठाया था कि मस्जिदों के सामने डीजे बजाते हुए जुलूस निकालने की इजाजत क्यों दी जाती है? इस बयान पर विश्वास सारंग ने पलटवार कर तीखी प्रतिक्रिया दी। विश्वास सारंग ने पश्चिम बंगाल में हिंदू त्यौहारों से जुड़े मामलों को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बंगाल की सरकार को हिंदुओं के तीज-त्यौहार मनाने में तकलीफ होती है। ममता दीदी ने बहुसंख्यक समाज का अपमान करना और उनके हितों की उपेक्षा करना अपनी आदत बना ली है।

तड़के सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

भोपाल। भोपाल की हुजूर विधानसभा क्षेत्र में जारी विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने मंगलवार तड़के 7 बजे विधायक रामेश्वर शर्मा तड़के निरीक्षण पर निकले। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीआई चौराहा से बंसल अस्पताल तक बन रहे फोर लेन अवध मार्ग, करवा डेम से सेमरी तक प्रस्तावित फोर लेन सड़क और बंजारी स्थित मुखर्जी इन्डोर स्टेडियम के कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारियों और तकनीकी टीम के साथ मौजूद विधायक ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर कई निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्ट्रीट लाइट का कार्य प्राथमिकता पर शुरू किया जाए। सड़क के साथ-साथ ड्रेनेज व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। कनेक्टिंग रोड्स के निर्माण कार्य में गति लाई जाए। वीरशा हाइट और अग्रसेन चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएं। कालीबाड़ी मंदिर (वीरशा हाइट) के पास कलिया सोत नदी पर पुल निर्माण को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। करवा डेम से सेमरी तक बनने वाली फोर लेन सड़क का निर्माण जल्द पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि मुखर्जी इनडोर स्टेडियम के कार्यों की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक सुधार और प्रगति के निर्देश दिए गए।

उज्जैन की सीमाओं पर छलकते जाम, जीतू पटवारी बोले- शराबबंदी नहीं, धोखा है

खुलेआम शराब पीने का पटवारी ने बनाया वीडियो, प्रशासन में हड़कंप

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उज्जैन के पास खुलेआम शराब पी रहे लोगों की भीड़ का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। जीतू का कहना है कि इस शराब दुकान का बोर्ड पिपलाई गांव के नाम से लगा है, असल में ये गांव से करीब 12 किलोमीटर दूर, उज्जैन नगर सीमा समाप्त होते ही आगर रोड पर संचालित हो रही है। जीतू पटवारी ने शराब के 80 रेट पर सवाल उठाते हुए कहा कि 80 का क्वार्टर 120 में बेच रहे हैं। यानी लूट मची हुई है। दुकान पर कुछ रेट छपे हैं, लेकिन वसूली कुछ और हो रही है जीतू पटवारी सोमवार को उज्जैन से राजस्थान जा रहे थे, तभी आगर रोड पर खिलचीपुर के पास अहमदनगर में लगी शराब दुकान का वीडियो बनाया।

डेढ़ हजार लोग खुलेआम पी रहे शराब
जीतू पटवारी ने मौके पर वीडियो बनाते हुए कहा कि यहां न केवल दुकान अवैध रूप से संचालित हो रही है, बल्कि सैकड़ों लोग सड़क किनारे बैठकर खुलेआम शराब पी रहे हैं कोई रोकने-टोकने वाला नहीं है। यह शराबबंदी नहीं, बल्कि जनता के साथ धोखा है। उन्होंने दावा किया कि यहां करीब 1500 लोग एक साथ खुलेआम शराब पी रहे हैं और यह सब सरकार की मिलीभगत से हो रहा है।

धार्मिक नगरी की सीमा से शिफ्ट क्यों नहीं किया?
जीतू पटवारी ने वीडियो शेयर करते हुए सवाल उठाया कि जब धार्मिक नगरी में शराबबंदी लागू है, तो फिर इसकी सीमा के ठीक बाहर शराब दुकान खोलना किस नीति का हिस्सा है? शराबबंदी सिर्फ दिखावा है। जब उज्जैन जैसी धार्मिक नगरी में शराबबंदी लागू की गई है, तो फिर प्रशासन ने शराब दुकानों को शहर की सीमा से लगते इलाकों में शिफ्ट क्यों कर दिया?

वीडियो के बाद उज्जैन के चारों तरफ कार्रवाई
शराब दुकान का वीडियो वायरल होने के बाद उज्जैन एसपी ने शहर की चारों दिशाओं की सीमा से लगी शराब दुकानों के कर्मचारियों को हिरासत में लेकर बांड ओवर की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अलग-अलग थानों की टीम ने दो दर्जन से अधिक लोगों को पकड़ लिया और उन्हें समझाइश भी दी है कि यातायात बाधित नहीं होना चाहिए। लोगों को खुले में शराब पीने नहीं देंगे।

सम्पादकीय

यूपीआई को 'मजबूत' करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई को गत सप्ताहांत एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ा जिसके चलते देशभर के उपभोक्ता कई घंटों तक परेशान रहे। यूपीआई नेटवर्क का संचालन करने वाले नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी एनपीसीआई ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जानकारी दी कि उसे रुक-रुक कर तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते यूपीआई लेनदेन आंशिक तौर पर विफल भी हो रहे हैं। बहरहाल चिंता की बात यह है कि यह अपनी तरह की इकलौती घटना नहीं है। शनिवार को यूपीआई के अचानक बंद होने के पहले भी हाल के दिनों में दो बार ऐसा हो चुका है।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई को गत सप्ताहांत एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ा जिसके चलते देशभर के उपभोक्ता कई घंटों तक परेशान रहे। यूपीआई नेटवर्क का संचालन करने वाले नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी एनपीसीआई ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जानकारी दी कि उसे रुक-रुक कर तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते यूपीआई लेनदेन आंशिक तौर पर विफल भी हो रहे हैं। बहरहाल चिंता की बात यह है कि यह अपनी तरह की इकलौती घटना नहीं है। शनिवार को यूपीआई के अचानक बंद होने के पहले भी हाल के दिनों में दो बार ऐसा हो चुका है। हालांकि एनपीसीआई ने गत सप्ताह यह सूचना दी थी कि उसने समस्या की जड़ का पता लगाने के लिए विश्लेषण किया है लेकिन शायद इससे खास मदद नहीं मिली। चूंकि यह बीते एक साल में इसके बाधित होने का छठा अवसर था इसलिए अब वक्त आ गया है कि कुछ सवाल किए जाएं और ऐसी बाधाओं की आशंकाओं को समाप्त किया जाए।

इसमें दो राय नहीं कि एनपीसीआई ने बीते एक दशक में शानदार काम किया है। उसने देश में डिजिटल लेनदेन को पूरी तरह बदल दिया है। इस समय देश में रोज करीब 60 करोड़ यूपीआई लेनदेन होते हैं। यूपीआई की कामयाबी के कारण बहुत बड़ी संख्या में भारतीय बिना नकद राशि लिए घर से निकलते हैं। बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिनका मोबाइल फोन ही उनका बटुआ है क्योंकि देश के दूरदराज इलाकों में भी यूपीआई से भुगतान स्वीकार किया जाता है। ऐसे में लेनदेन की प्रक्रिया का अबाध होना आवश्यक है। अगर यूपीआई अनायास बंद होता रहा तो कारोबारों को बहुत नुकसान होगा, खासकर छोटे कारोबारियों और वेंडरों को। एक तरह से देखें तो यह वित्तीय व्यवस्था के लिए भी जोखिम भरा साबित हो सकता है। एक औसत भारतीय के जीवन में यूपीआई के महत्त्व को देखें तो यह अहम है कि जवाबदेही सुनिश्चित की जाए और व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। ऐसी खबरें हैं कि यूपीआई में बार-बार समस्या आने की एक वजह लेनदेन में अचानक इजाफा भी है। जरूरत पड़ने पर एनपीसीआई को अपनी क्षमता बढ़ानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक को भी इसकी वजह पता लगानी चाहिए और जरूरी कदम उठाने चाहिए। आमतौर पर वह विनियमित संस्थाओं की कमियों को जल्दी पकड़ता है और उसे ऐसा करना भी चाहिए लेकिन एनपीसीआई के मामले में ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। यह भी रिजर्व बैंक को ही तय करना है कि भुगतान में शामिल सभी संस्थान चाहे वे बैंक हों, भुगतान कंपनियां हों या सेटलमेंट के लिए जिम्मेदार संस्थाएं, वे सभी उचित तरीके से काम करें। ताजा समस्याएं एनपीसीआई के एकाधिकार और केंद्रीकरण से जुड़े जोखिम के अहम प्रश्न को भी उठाती हैं। एनपीसीआई ने व्यक्तिगत संस्थाओं के लिए 30 फीसदी तक बाजार हिस्सेदारी सीमित करने के प्रस्ताव में देरी करके एक तरह से दो कंपनियों के दबदबे की व्यवस्था बनाए रखा है जहां दो भुगतान सेवा प्रदाता 90 फीसदी बाजार पर काबिज हैं। इस समस्या को तत्काल हल करने की आवश्यकता है। नीति की बात करें तो रिजर्व बैंक ने भुगतान निस्तारण के लिए नई संस्थाएं बनाने का विचार कुछ साल पहले पेश किया था। ऐसा होने से एनपीसीआई के लिए प्रतिस्पर्धा की स्थिति बनती। बहरहाल, इस दिशा में ज्यादा कुछ नहीं हुआ। एनपीसीआई एक गैर लाभकारी कंपनी है और इसका स्वामित्व कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के पास है। एनपीसीआई के व्यापक स्वामित्व को देखते हुए प्रतिस्पर्धी संस्थाएं स्थापित करना आसान नहीं होगा। ऐसे में सरकार और रिजर्व बैंक के लिए यह अहम होगा कि वे हितधारकों को ऐसी संस्थाओं में निवेश करने को कहें जो एनपीसीआई के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें। वास्तव में जोखिम को कई कंधों तक फैलाना वित्तीय व्यवस्था के हित में होगा। इस संदर्भ में यह अहम होगा कि सरकार तय करे कि वह यूपीआई को लोगों के लिए निःशुल्क रहने की कीमत कब तक चुकाना चाहती है। एक प्रतिस्पर्धी मर्चेंट डिस्काउंट रेट भुगतान कारोबार में शामिल कंपनियों को टिकाऊ कारोबार तैयार करने में मदद करेगी।

मोदी का नया मंत्र... देरी विकास की दुश्मन

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है।

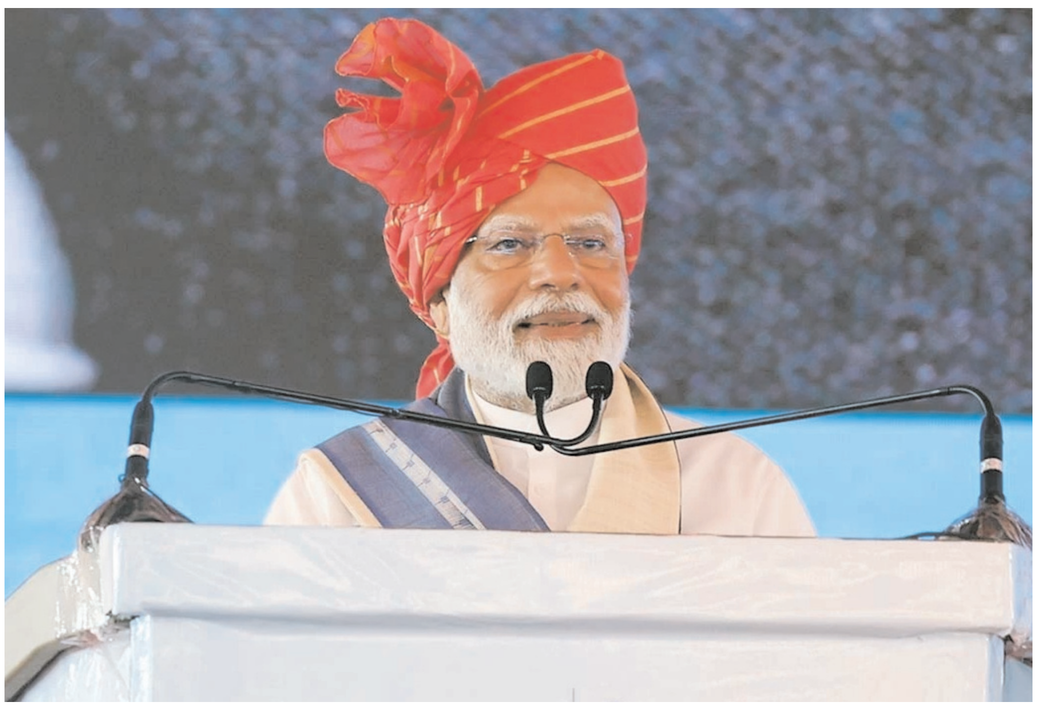

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है। अव्वल तो तय समय पर लोगों को सहूलियतें मिल ही नहीं पाती। लेकिन जब किसी वजह से परियोजना पर काम चलता भी है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, उसकी लागत खर्च बढ़ चुकी होती है। आखिरकार इसकी कीमत देश को ही चुकानी पड़ती है।

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास की दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है। यह योजना 1972 में शुरू होनी थी, लेकिन नहीं हुई। तकरीबन पचास साल तक यह योजना लटकी रही। यह बात और है कि इस काम को मोदी सरकार ने ही पूरा किया।

प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वे नया नारा भी गढ़ते हैं। 'देरी विकास की दुश्मन है' इस कड़ी में नया नारा है। देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जाएंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है। प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र मे रखकर कविता ही रच डाली है। इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल के राज्य मंत्री चांद राम ने शुरू किया और दशकों तक इसका काम नहीं हो पाया। अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया। परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां पूरे देश में फैली हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इसी संदर्भ में उल्लेख किया है। देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है। लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा साल 1997 में शुरू हुई। लेकिन उस परियोजना को ठीक दस साल बाद यानी 2007 में मंजूरी मिल पाई। लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया। प्रधानमत्री ने तो सीधे-सीधे इसके लिए इस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की सरकारों ने इस परियोजना में ना तो दिलचस्पी दिखाई, ना ही कोई कार्रवाई नहीं की। यह बात और है कि मोदी सरकार ने इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा आगे बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह दूसरी योजनाएं तेज गति से तय वक्त या उससे पहले पूरी हुईं, उसी गति और तेजी से नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरा होगी।

देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने साल 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति को तेज किया था। देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया था। उस बदलाव का असर भी दिखा। लेकिन राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद इस मानसिकता को थोड़ी लगाम जरूर लगी है। यह बात और है कि इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

देरी, विकास का दुश्मन है के प्रधानमंत्री के नए मंत्र का ही असर कहा जाएगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ। आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का ही असर है कि कुछ ही वर्षों में दुनिया की 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। दुनियाभर की विकास दर को कोरोना की महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया। आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल है। अरब देशों के आपसी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत को पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा न पड़ना, चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर में कमी ना आना, एक तरह के भारत के संकल्प का नतीजा है। बेशक इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसका श्रेय युवाओं को दिया। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व बढ़ोतरी युवाओं की महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं से प्रेरित है। इससे दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला है। पहले दुनिया मानती थी कि भारत धीरे-धीरे और लगातार प्रगति करेगा, उसी दुनिया को भारत अलग नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो दुनिया अब देश को द्युतेज और निडर भारतह्ल के रूप में देख रही है। परियोजनाओं में देरी को विकास के दुश्मन के तौर पर प्रधानमंत्री का स्थापित करना एक तरह से राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं को संबोधित करना है। विश्व गुरू बनने की आकांक्षा हो या आर्थिक या दूसरी तरह वैश्विक महाशक्ति बनना, इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इसी सोच को हर स्तर पर ना सिर्फ आगे बढ़ाना होगा, बल्कि उसे राष्ट्रीय प्राथमिकता के तौर पर भी विकसित किया जाना होगा।

सबको पता है कि कई बार राजनीतिक कारणों से पहले की सरकारों की लाई या उनके द्वारा शुरू या जारी की गई योजनाएं लटका दी जाती हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पक्ष भी है। कई बार नौकरशाही भी इस डिले, डिनाय और डिस्ट्राय यानी टालना, इनकार करना और खारिज करने के लिए जिम्मेदार होती है। आजादी के पचहतर साल बीतने के बावजूद नौकरशाही में यह मानसिकता बनी हुई है। अब भी तंत्र ऐसे ढेर सारे तत्व हैं, जो योजनाओं को लटकाने और टालने में भरपूर रूचि लेते हैं। एक तरह से ऐसी सोच वाला डीएनए तंत्र में फैला हुआ है। सरकारी तंत्र से जिनका रोजाना पल्ला पड़ता है, अक्सर वे भी फिनमैन जैसी ही सोच रखते हैं। आर्थिक मोर्चे पर भारत की सफलता दर अगर बढ़ी है तो उसके पीछे निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री की दृष्टि है।

अन्नामलाई की इमानदार और सिंघम वाली छवि

तमिलनाडु के साथ यह दुर्भाग्य रहा है कि अपने प्रखर व्यक्तित्व के बाद भी यहां के बड़े नेता क्षेत्रीय नेता बनकर ही रह जाते रहे हैं। के. कामराज एक समय कांग्रेस में सबसे पावरफुल लीडर थे, उनके सामने पीएम बनने का भी प्रस्ताव था पर वे भी कभी राष्ट्रीय शख्सियत नहीं बन सके। एमजी रामचंद्रन, जयललिता, करुणानिधि बाद के दशकों में तमिलनाडु के सबसे बड़े नेता रहे पर अपने राज्यों तक ही इनकी भी लोकप्रियता सीमित रह गई। कांग्रेस और बीजेपी की सरकारों में कई केंद्रीय मंत्रियों ने अपनी पहचान बनाई पर उनकी ख्याति भी तमिलनाडु तक ही रह गई। इसके उलट कर्नाटक, आंध्रप्रदेश के नेताओं ने प्रधानमंत्री तक देश को दिया। पीवी नरसिम्हा राव और एचडी देवगौड़ा के रूप में देश को दो पीएम मिले जिसमें एक आंध्रप्रदेश से हैं दूसरे कर्नाटक से। पर यह कारनाम करने में तमिलनाडु पीछे रह गया है। क्योंकि तमिल नेता हिंदी और हिंदू को लेकर बहुत कन्फ्यूज रहे।

भारतीय जनता पार्टी जिस तरह तमिलनाडु के पूर्व अध्यक्ष हो चुके अन्नामलाई को राष्ट्रीय नेतृत्व में फिट करने जा रही है, उससे यही लगता है कि वे अपने राज्य के पहले ऐसे नेता बनेंगे जिसकी देशभर में अपनी पहचान होगी। जिस तरह उनकी तारीफ पर तारीफ मोदी से लेकर अमित शाह तक करते हैं , जिस तरह सोशल मीडिया पर उनकी चर्चा होती है उसे देखकर तो कम से कम ऐसा ही लग रहा है। यह भी हो सकता है कि साऊथ का दिल जीतने के लिए रणनीति के तहत अन्नामलाई को केंद्र की राजनीति में लाया जा रहा हो।

इसमें कोई दो राय नहीं कि पूर्व आईपीएस 40 वर्षीय अन्नामलाई कर्मठ संघर्ष करने वाले नेता हैं। उन्होंने अपनी पदयात्राओं , तमिलनाडु की भ्रष्टाचार फाइल्स के जरिये स्टालिन सरकार को जमकर घेरा। वे पांव में चप्पल नहीं पहनते क्योंकि उन्होंने शपथ ली हुई है कि जब तक राज्य में बीजेपी की सरकार नहीं बनवा लेंगे या राज्य की सत्ता से द्रमुक को बाहर नहीं कर लेंगे तब तक नंगे पांव ही रहेंगे।

इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि उनके नेतृत्व में तमिलनाडु में बीजेपी की मौजूदगी बढ़ी है। उनकी एन मन, एन मक्कल यात्रा और डीएमके के खिलाफ आक्रामक रुख ने उन्हें युवाओं और सोशल मीडिया में जबरदस्त लोकप्रिय बनाया। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी भले ही सीटें नहीं जीत पाई लेकिन पार्टी की वोट हिस्सेदारी 3.5 प्रतिशत से बढ़कर 11.2 प्रतिशत हुई, जिसका श्रेय अन्नामलाई को ही दिया जाता है।

भाजपा के लिए मुश्किल यह है कि वो अन्नामलाई को खोना भी नहीं चाहती है और तमिलनाडु में उन्हें रखना भी नहीं चाहती है। कारण यह है कि पार्टी 2026 में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा कदम उठाते हुए एआईएडीएमके से गठबंधन करने का फैसला किया। राज्य के राजनीतिक माहौल को देखते हुए एआईएडीएमके के लिए भी ये मुफीद मौका लगा। अब कहा जा रहा है कि जब तक केंद्रीय नेतृत्व उनके लिए पार्टी या सरकार में कोई भूमिका नहीं तय करता, तब तक अन्नामलाई दक्षिण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वे आगामी केरल चुनावों में पार्टी के स्टार कैंपेनर हो सकते हैं।

इस संकेत की पुष्टि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने की, जिन्होंने चेन्नई में शुक्रवार को निवर्तमान राज्य अध्यक्ष की अभूतपूर्व कार्यों की सराहना की। शाह ने कहा कि भाजपा अन्नामलाई के संगठनात्मक कौशल का उपयोग पार्टी की राष्ट्रीय रूपरेखा में करेगी। एक अंग्रेजी अखबार ने एक वरिष्ठ भाजपा नेता के हवाले से लिखा है कि आईपीएस अधिकारी से राजनेता बने अन्नामलाई को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष या महासचिव बनाया जा सकता है। यह भी तैयारी है कि उन्हें बाद में सरकार में भी शामिल किया जा सकता है। अंग्रेजी अखबार ने अपने सूत्रों के हवाले से यह भी लिखा है कि फिलहाल केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की कोई योजना नहीं है, इसलिए अन्नामलाई को इंतजार करना पड़ सकता है।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि अन्नामलाई को भारतीय जनता युवा मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। अभी यह पद बीजेपी के तेज तर्रार और चर्चित सांसद तेजस्वी सूर्या के पास है। संगठनात्मक फेरबदल के चलते यह पद खाली हो सकता है और इसमें अन्नामलाई की एंट्री की प्रबल संभावना जताई जा रही है। अन्नामलाई को आगे और भी बड़ी भूमिका मिल सकती है। गौर करने वाली बात है कि इससे पहले अनुराग ठाकुर भी बीजेवायएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं, जिन्होंने बाद में केंद्र सरकार में मंत्री पद भी संभाला और आज भी राष्ट्रीय मुद्दों पर पार्टी के प्रमुख चेहरा बने हुए हैं।

दरअसल बीजेपी चाहती है कि अन्नामलाई को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करके तमिल जनता के सामने एक नजीर रखी जाए। मतलब साफ है कि तमिलनाडु देश के राष्ट्रीय नेतृत्व से अपने को अलग-थलग न महसूस करे। अन्नामलाई का नजरिया शिक्षा नीति पर हो या हिंदी और हिंदीभाषियों को लेकर राष्ट्रवादी रहा है। अन्नामलाई की इमानदार और सिंघम वाली छवि का सही उपयोग भी तभी हो सकेगा जब उन्हें एक राष्ट्रीय नेता के रूप में स्थापित किया जा सके।

कश्मीर पर एक और फिल्म 'ग्राउंड जीरो', 38 साल बाद श्रीनगर में होगा किसी फिल्म का रेड कार्पेट प्रीमियर

फिल्म 'ग्राउंड जीरो' की श्रीनगर (कश्मीर) में होने जा रही प्रीमियर के जरिये मेकर्स की ये खास कोशिश है कि सबसे पहले ये फिल्म उन जांबाज जवानों और आर्मी अफसरों को दिखाई जाए, जो सरहद पर खड़े होकर हमारी हिफाजत कर रहे हैं। एक्शन थ्रिलर ग्राउंड जीरो को लेकर इन दिनों जोश और उत्साह बढ़ता जा रहा है। दमदार ट्रेलर रिलीज के बाद फिल्म के नए-नए पोस्टर्स ने भी लोगों की दिलचस्पी और बढ़ा दी है। इसी बीच अब यह फिल्म इतिहास रचने जा रही है। दरअसल ग्राउंड जीरो होगी 38 साल बाद श्रीनगर (कश्मीर) में रेड कार्पेट प्रीमियर पाने वाली पहली फिल्म होगी।

प्रीमियर 18 अप्रैल को होगा और इसे लेकर फैंस और इंडस्ट्री दोनों में जबरदस्त क्रेज है।

एक्सेल एंटरटेनमेंट की आने वाली एक्शन थ्रिलर ग्राउंड जीरो 18 अप्रैल को श्रीनगर में होने वाले अपने रेड कार्पेट प्रीमियर के साथ नया इतिहास रचने जा रही है। हैरानी की बात यह है कि पिछले 38 सालों में श्रीनगर में किसी भी फिल्म का प्रीमियर नहीं हुआ और अब ग्राउंड जीरो इस खामोशी को तोड़ने वाली पहली फिल्म बनेगी। इस खास मौके पर फिल्म सबसे पहले दिखायी जाएगी उन जवानों और आर्मी अफसरों को, जो बॉर्डर पर खड़े होकर हमारी हिफाजत कर रहे हैं। यह कदम न सिर्फ फिल्म के देशभक्ति से जुड़े विषय को बखूबी दर्शाता है, बल्कि असली हीरोज को सच्ची श्रद्धांजलि भी है।

बीएसएफ द्वारा समर्थन प्राप्त इस फिल्म का ट्रेलर भी खूब सराहा गया, जिसने दर्शकों की उम्मीदों और उत्साह को और भी बढ़ा दिया है।

इसके अलावा, फिल्म ग्राउंड जीरो की कहानी कश्मीर पर आधारित है और इसकी पूरी शूटिंग भी वहीं हुई है। इमरान हाशमी ने फिल्म में बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे का किरदार निभाया है, जिन्होंने गाजी बाबा को मार गिराने वाले ऑपरेशन का नेतृत्व किया था। यह मिशन बीएसएफ के पिछले 50 सालों में सबसे बेहतरीन ऑपरेशन के तौर पर दर्ज है। ग्राउंड जीरो एक सच्ची घटना पर आधारित है, जो भारतीय इतिहास के एक कम सुने गए लेकिन बेहद अहम अध्याय को दर्शकों के सामने लाती है।

गाजी बाबा जैश-ए-मोहम्मद का एक टॉप कमांडर और हरकत-उल-अंसार नाम के आतंकी संगठन का डिप्टी कमांडर था। उसे 13 दिसंबर 2001 को भारतीय संसद पर हुए हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट के तहत प्रोड्यूस किया है। फिल्म का निर्देशन तेजस देवास्कर ने किया है। इसके को-प्रोड्यूसर कासिम जगमगिया, विशाल रामचंदानी, संदीप सी सिधवानी, अर्हन बगाटी, टैलिसमैन फिल्म्स, अभिषेक कुमार और निशिकांत रॉय हैं. यह फिल्म 25 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

मानस भवन में सम्पन्न हुई पेयजल समीक्षा बैठक

विधायक जयंत मलैया ने जताई चिंता, समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, स्थानीय मानस भवन में दमोह विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की पेयजल व्यवस्था को लेकर एक अहम समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता दमोह विधायक जयंत मलैया ने की, जिसमें म.प्र. जल निगम और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ-साथ 89 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल हुए। विधायक मलैया ने सभी ग्राम सचिवों से अपने ग्राम की पेयजल संबंधी समस्याएं लेटरहेड पर लिखकर देने को कहा। इसके बाद 35 लोगों ने माइक के माध्यम से द्विपक्षीय संवाद कर अपनी समस्याएं दर्ज कराईं। कुल 66 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनके समाधान के लिए म.प्र. जल निगम के महाप्रबंधक गौरव सराफ ने अगले 7 दिनों के भीतर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

समस्याओं के समाधान हेतु निर्देश गौरव सराफ ने अवैध नल कनेक्शन हटाने, ग्रामों में जलकर संग्रहण की व्यवस्था सुदृढ़ करने, जल निगम के खाते में राशि जमा कराने एवं वाल्व ऑपरेटरों की नियुक्ति कर संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि जल संरक्षण को प्राथमिकता दें और व्यवस्था का दुरुपयोग न करें।

विधायक मलैया की चेतावनी और जागरूकता संदेश विधायक जयंत मलैया ने कहा कि आज जब घर-घर जल आपूर्ति हो रही है, तब भी ग्रामीण इसका दुरुपयोग कर रहे हैं, जबकि पहले महिलाएं दूर-दराज से ठंड में भी पानी भरने जाती थीं। उन्होंने कहा कि सतधरू, सीतानगर, पंचमनगर एवं राजघाट योजनाएं बड़ी मेहनत से धरातल पर लाई गई हैं, इन्हें बनाए रखना ग्रामीणों की जिम्मेदारी है।

प्रशंसा और प्रेरणा कार्यक्रम में रमन खत्री ने जल निगम द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिकायतों की संख्या बताती है कि कार्य हुआ है और बाकी कार्य शीघ्र पूर्ण होंगे। जिला पंचायत सीईओ ने कार्यों की समीक्षा के लिए तीन दिवस का समय निर्धारित किया एवं संचालन व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिंदल कंपनी के वाल्व ऑपरेटरों को ग्राम स्तर पर कार्यरत करने का सुझाव दिया।

सम्मान एवं प्रेरणादायी योगदान ग्राम हथनी की ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समिति की अध्यक्षा प्रतीक्षा राजपूत को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए विधायक मलैया द्वारा पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। प्रतीक्षा को म.प्र. शासन द्वारा 26 जनवरी के अवसर पर दिल्ली परेड में आमंत्रित किया गया था, जो पूरे दमोह जिले के लिए गर्व की बात रही।

नुक्कड़ नाटक से जनजागरूकता समीक्षा बैठक के उपरांत मुक्ति सामाजिक एवं सांस्कृतिक मंच द्वारा पेयजल विषय पर आधारित एक प्रेरणादायी नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसने सभी उपस्थित जनों को जल संरक्षण के महत्व को समझाया।

कार्यक्रम का संचालन एवं उपस्थिति कार्यक्रम का संचालन श्री विपिन चौबे ने किया और आभार प्रदर्शन म.प्र. जल निगम के डॉ. मनोज राज ने किया। इस मौके पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एसडीओ अशोक मुकाती, जनपद सीईओ हलधर मिश्रा, मनीष तिवारी, संत कुमार, मनीष जैन सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। यह बैठक न केवल समस्याओं के समाधान की दिशा में एक सकारात्मक कदम रही, बल्कि जल संरक्षण एवं जन-जागरूकता का भी एक सफल प्रयास सिद्ध हुई।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.बजाज ने फेसबुक पर लाईव आकर बहुत सटीक जानकारी दी-कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर

15 अप्रैल को फिर अगला फेसबुक सेशन इसे जरूर अटेंड करें, सब के लिये उपयोगी साबित होगा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा डॉ. जलज बजाज बड़े प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ है। उनका आज एक सेशन हुआ। जिसमें की शून्य से 6 माह तक के जो नवजात शिशु हैं, उनकी देखभाल कैसे की जाए, क्योंकि यदि शिशुओं की देखभाल सही तरीके से नहीं होती है, तो वह शिशु या तो मृत हो जाते हैं, या फिर हमेशा के लिए दिव्याँग हो जाते हैं, या उनको कोई बीमारी हो जाती है, और इन सब चीजों से बचाने के लिए बहुत जरूरी है, कि माताएं यह समझें कि पहले छह माह में बच्चे की देखभाल कैसे की जाती है। आज डॉ. बजाज ने कलेक्टर की फेसबुक पर लाईव आकर शिशुओं के संबंध में बहुत की सटीक जानकारी दी है।

कलेक्टर कोचर ने बताया इसी प्रकार कल हमारा अगला फेसबुक सेशन है, जो बच्चों के लिए है, अब जो बच्चे 10 वीं पास कर चुके हैं, उनके मन में सबसे बड़ा प्रश्न यह है, कि ग्यारहवीं में सब्जेक्ट कौन सा लें तो सब्जेक्ट सेलेक्शन एक बच्चों के लिए बड़ा प्रॉब्लम रहता है। चुनौती रहती है, पेरेंट्स भी परेशान होते हैं। उसको लेकर के उनको भी समझ में नहीं आता है, कैसे सेलेक्ट करें तो कल वह एक बहुत महत्वपूर्ण सेशन रहेगा जिसमें हमारे कई सारे विशेषज्ञ बैठेंगे और बच्चों को सलाह देंगे। सब्जेक्ट का चयन उनको 11वी में कैसे करना चाहिए मेरा आग्रह है, बच्चों से और उनके पेरेंट्स से की कृपया इस सेशन को जरूर अटेंड करे, इसको बिल्कुल छोड़े ना यह आपके लिए बहुत उपयोगी साबित होगा।

कलेक्टर ने कहा अच्छे रिजल्ट की कल्पना करना अभी पहला उद्देश्य था कि गांव में जो एक सबसे बड़ी शिकायत आती है, कि कोई मिलता नहीं है, कोई आता नहीं है हेडक्वार्टर, उसको दूर करने के लिए बेसिक्ली जन सुनवाई भी हो रही है, मंगलवार को पंचायत मुख्यालय के ऊपर और साथ में पटवारी पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता यह जो फील्ड लेवल के वर्कर्स हैं। जिनके बारे में लोग अक्सर कहा करते हैं, कि यह कहीं बाहर है, यह मिल नहीं रहे हैं। तो 1 दिन कम से कम वह 11 बजे से 2 बजे तक बिल्कुल फिक्स है, की वह मिलेंगे इससे लोगों को काफी राहत मिलना प्रारंभ हुई है।

उन्होंने कहा अभी पिछली जन सुनवाई का जो सार रहा है, वह यह रहा है कि लगभग एवरेज 60 से 80 के बीच में इन सभी 25 जगहों पर शुरू किया है। अभी आवेदन आ रहे हैं। इस सिस्टम को थोड़ा सेटल डाउन होने देंगे ताकि धीरे-धीरे फिर इसमें आवेदनों की संख्या बढ़ेगी। जब यह निराकरण बढ़ने लगेगा तो अभी प्रारंभिक स्टेज पर है, और इसको अभी थोड़ा और स्मूथ करने का प्रयास लगातार करते रहेंगे।

कलेक्टर कोचर ने कहा एक व्यक्तिगत विषय है, जिसमें उनका कहना यह है, उनकी शिकायत यह है, कि कोई एक शिक्षक हैं, जिन्होंने उनके साथ दुर्व्यवहार किया है, और इस मामले में उनका यह भी कहना था कि पुलिस ने कोई एफ.आई.आर. की होगी तो पुलिस ने उसमें चालान पेश कर दिया तो पिछली जन सुनवाई में भी आई थी, बटियागढ़ थाने से इसकी चालान की कॉपी मांगा ली है, और अब प्रस्ताव उस शिक्षक के निलंबन का कमिश्नर सागर को चला जाएगा। फिर उसके बाद कमिश्नर सागर के यहाँ से आगे की कार्रवाई होगी। क्योंकि शासन का नियम है, यदि किसी शासकीय अधिकारी के विरुद्ध किसी कोर्ट में चालान पेश कर दिया जाए। जांच एजेंसी के द्वारा तो फिर उनको निलंबित किया जाता है तो इसीलिए वह फिर कार्रवाई की जायेगी।

जल है तो कल है हमको हमारा कल सुधारना है तो जल को बचाना है सुसरी नदी पर बनेगा 50 करोड़ की लागत से बांध- विधायक श्याम बर्डे

खेतिया जनपद पंचायत पानसेमल के अंतर्गत वाटरशेड यात्रा व जल संवर्धन अभियान के तहत ग्राम राखी बुजुर्ग में क्षेत्रीय विधायक श्याम बर्डे में अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए उक्त बात कही श्री बर्डे ने कहा कि जनपद पंचायत की 12 पंचायत में वाटरशेड मिशन के तहत विभिन्न कार्य हो रहे जिसका मुख्य उद्देश्य है हर परिस्थिति में गांव का पानी गांव में शहर का पानी शहर में रोकना है ।कई वर्षों से लंबित कई बार मंत्रालय जाने के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादवजी और जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट द्वारा राखी के निकट सुसरी नदी पर 50 करोड़ के बांध के साथ कालाअम्बा बांध 50 करोड़ का बनाए जाने की स्वीकृति मिली इससे जल संग्रहण होगा जिससे सिंचाई के लिए जल उपलब्ध हो सकेगा,किसानों को मदद मिलेगी उनका विकास होगा देश का विकास होगा उन्होंने आम जनों को संबोधित करते हुए कहा कि हम भूखे पेट रह सकते पर पानी नही पिये,पानी न मिले तो हमारी हालत कैसी हो जाएगी उन्होंने अपील की कि सभी सबसे पहले संकल्प करें कि पानी को व्यर्थ नहीं जाने देंगे जल का संग्रहण करेंगे और जल संग्रहण के लिए वाटर शेड मिशन की योजनाओं के लिए सरकार के साथ खड़े रहकर सरकार का सहयोग करेंगे ।किसानों को सिंचाई के लिए जल मिले इसलिए ही प्लांनिग कर योजनाओ का क्रियान्वयन किया जा रहा। कार्यक्रम के आरंभ में विधायक के राखी पहुंचने पर निकाली गई जल कलश यात्रा में विधायक में कलश का पूजन कर कलश लेकर खड़ी कन्याओं के पैर छुए व वाटरशेड मिशन यात्रा को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया इस दौरान विधायक ने प्रधानमंत्री द्वारा योजना के तहत किसान सेवा केंद्र का भी शुभारंभ किया शुभारंभ के तत्काल बाद पर्यावरण सुरक्षित रखने हेतु वृक्षारोपण भी उसी परिसर में किया विधायक बर्डे ने अपने उद्बोधन में कई बार ग्रामीणों से आदिवासी बोली में भी बात की,उन्हें पेड़ लगाने,जैविक खेती हेतु प्रेरित किया ।कार्यक्रम में जनपद पंचायत के सीईओ विरल पटेल ने वाटरशेड यात्रा को लेकर चलाए जा रहे जल मिशन अभियान को लेकर अपनी भूमिका रखते हुए सभी सभी से सहयोग का सहयोग की अपील करते हुए मीडिया का धन्यवाद करते हुए कहा कि जल मिशन की योजनाओं का प्रचार प्रसार संपूर्ण विकासखंड में करने में सक्षम हो पा रहे हैं कार्यक्रम को भारतीय जनता पार्टी के नेता सचिन चौहान , प्रगतिशील कृषक बालकृष्ण पाटिल ने भी संबोधित किया विधायक द्वारा 50-50 करोड़ की लागत से बनने वाली सुथरी नदी व काला अम्बा योजना स्वीकृति की घोषणा पर उपस्थित जन समुदाय ने तालियां बजाकर उनका अभिनंदन किया वही कार्यक्रम के शुभारंभ में आदिवासी जन संस्कृति को प्रदर्शित करते सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जल मिशन अभियान के तहत जल योद्धाओं का सम्मान मंच से किया गया वही विकासखंड में वाटरशेड योजनाओं के लिए प्रमुख शिल्पकार के रूप में कार्य कर रहे उप यंत्री जिवेन्द्र बघेल का भी मंच से जल योद्धा के रूप में अभिनंदन किया गया।

प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटरशेड विकास अंतर्गत परियोजना क्रमांक 4 जनपद पंचायत पानसेमल की ग्राम पंचायत राखी बुजुर्ग में वाटरशेड यात्रा आयोजित हुई जिसमे क्षेत्रीय विधायक श्याम बर्डे द्वारा CHC सेंटर (कस्टम हेयरिंग सेन्टर) का लोकार्पण व नवीन कार्यों का भूमि पूजन तथा जल गंगा संरक्षण अभियान के तहत पोधरोपण करते हुए वाटर शेड यात्रा को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया ।वाटरशेड परियोजनाओं की 12 ग्राम पंचायतों में अभी तक किए गए जल व मृदा संरक्षण के कार्यों की जानकारी के साथ साथ वाटरशेड यात्रा हेतु शासन से आए हुवे रथ को हरी झंडी देकर जागरूकता का संदेश दिये जाने हेतु विदा किया गया ,जनपद क्षेत्र में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत चल रहे कार्यों का ब्यौरा दिया गया ,साथ ही स्कूल के बच्चो द्वारा जल बचाव व पौध संरक्षण पर चित्रकला , रंगोली प्रतियोगिता व वाटरशेड योद्धा को प्रथम,द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को सील्ड ,मेडल व ट्राफी से सम्मानित मुख्य अथितियो द्वारा किया गया ।सभी को जल संरक्षण की शपथ व संकल्प कराया

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या 16 अप्रैल को करेंगी जनसुनवाई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उप्र) सहारनपुर, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा आवेदक/आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टि से 16 अप्रैल 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे सर्किट हाउस सभागार में आयोग की सदस्या श्रीमती संगीता जैन द्वारा महिला जनसुनवाई की जाएगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय ने अवगत कराया कि जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से सम्बन्धित शिकायतें जो महिलाओं द्वारा की जाती है, जिसके निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों का होना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अनुरोध करते हुए कहा कि अपने-अपने विभाग द्वारा महिलाओं हेतु संचालित योजनाओं की सूचनाओं के साथ समीक्षा बैठक में स्वयं प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

झाबुआ में उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए एमएसएमई विभाग द्वारा आयोजित हुई कार्यशाला

मेघनगर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उेम विभाग की मध्य प्रदेश की नोडल एजेंसी लघु उेग निगम द्वारा मेघनगर में 15 अप्रैल 2025, 11 बजे जनपद मीटिंग हॉल , मेघनगर जिला झाबुआ में लघु उेग भारती के सहयोग से उेगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला उेग एवं व्यापार केंद्र के महाप्रबंधक पिंकी डिंडोरजी द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय स्तर पर उेगों की कार्यप्रणाली में सुधार एवं विस्तार के लिए IPR नाम से कार्यशाला का आयोजन संपूर्ण भारतवर्ष में किया जा रहा है जिसके अंतर्गत मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में DEAN मैनेजमेंट,'श्रष्ठ सर्टिफिकेशन एवं IPR जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ आदित्य जी द्वारा जानकारी प्रदान की गई व लघु उेग भारती के राजेश जैन द्वारा लघु उेग भारती के कार्य का विवरण दिया गया , जयंती पटेल, दिलीप काछवा इत्यादि पदाधिकारी उपस्थित थे , औैगिक केंद्र विकास निगम के प्रकाश पांचाल की मुख्य उपस्थिति रही व सीईओ जनपद पंचायत डावर सर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ।उन्होंने बताया कि विकसित भारत में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका है एवं इस भूमिका को पूरा करने के लिए उेगों को अपना विस्तार एवं उसकी कार्य प्रणाली में सुधार करने की आवश्यकता है जिससे कि वह अपनी कार्य क्षमता एवं उत्पाद की गुणवत्ता को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मापदंड पर पहुँचा सकते हैं ।

लघु उेग भारती जो की एक राष्ट्रीय स्तर का संगठन है उसके सहयोग से यह कार्यशाला मेघनगर में आयोजित की गई जिसमें अधिक से अधिक उेमियों की सहभागिता रही।

लघु उेग भारती झाबुआ संयोजक इकाई के संयोजक परेश खेमसरा ने बताया कि सरकार की इस पहल से निश्चित रूप से सूक्ष्म एवं लघु उेगों को बहुत ही अधिक लाभ होगा।

मंदसौर पुलिस थाना कोतवाली पुलिस द्वारा ट्रक के अंदर अवेध मादक पदार्थ डोडाचुरा करीब 15 क्विंटल का परिवहन करते 02 आरोपियो को पकडा

कुल मश्रुका 90 लाख 18 हजार रुपये का जप्त

मंदसौर - पुलिस अधीक्षक के निर्देश मे थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ अफीम की तस्करी करने वाले आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुये करीब 15 क्विंटल डोडाचुरा जप्त कर 02 आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है । घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि- दिनांक 14-04-2025 को थाना सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर द्वारा अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर वैधानिक कार्यवाही करते हुये थाना कोतवाली पुलिस के द्वारा घटना स्थल 10 न. नाका के पास से अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा कुल 14 क्विंटल 82 किलोग्राम जो चाक पावडर की आड मे छुपा कर ले जाया जा रहा था। जिसमे कि अवैध मादक पदार्थ जिसकी किमत 59 लाख 28 हजार रुपये को जप्त करने मे थाना कोतवाली पुलिस को सफलता प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त प्रकरण में 01 ASHOK LEYLAND कंपनी का ट्रक क्रमांक एचपी 17 एफ 7086 किमती 30 लाख रुपये व अन्य कच्चा माल चाक पावडर के कट्टे 300 नग किमती 60 हजार रुपये को भी जप्त किया गया है। प्रकरण में 02 तस्कर जिनके नाम क्रमशः 01 सुशील सिह पिता बख्तावर सिह उम्र 42 साल निवासी जाति मेहता निवासी कोटा साहीब, थाना कोटा साहीब जिला सिरमोर राज्य हिमाचल प्रदेश, व 02 मो. ईमरान पिता यामीन अली जाति शाह उम्र 28 साल निवासी जगतपुर थाना माझरा जिला सिरमोर राज्य हिमाचल प्रदेश को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण मे अन्य आरोपियो की तलाश जारी है।

पुलिस टीम- उक्त कार्यवाही में निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ थाना प्रभारी कोतवाली, के नेतृत्व मे थाना शहर कोतवाली पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

बाबा साहब की जन्म जयंती पर विभिन्न धार्मिक, राजनीतिक व सामाजिक संगठनों ने किया मालापर्ण

पिपलौदा। नगर में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोउल्लास के साथ मनाई गई ।बाबा साहेब के स्टैचू पर विभिन्न सामाजिक संगठन, राजनीतिक संगठन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्वप्रथम रविदास समाज द्वारा बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर मिठाई वितरित की गई। तत्पश्चात कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के पवन पटवा, गणेश मालवीय, अंबाराम बोस, विजेंद सिंह राठौर के नेतृत्व में बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। उसके बाद भीम आर्मी के राकेश गोसर, जुझार बोस के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भीम सैनीको द्वारा बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर रमेशचंद्र रेदास, प्रकाश यादव, विजेंद्र सिंह राठौर, गुलाम फरीदुद्दीन कुरैशी, राधेश्याम जाजोरिया, जुझार बोस, संजय परिहार, राकेश गोसर, बालाराम बोस, कन्हैयालाल बोस, आशीष गुजराती, योगेंद्र वाघेला, अमरुलाल सोलंकी, संजय बोस, वजेराम बोस , तथा बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अंबाराम बोस द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन प्रकाश यादव द्वारा किया गया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर व्याख्यान माला का आयोजन

झाबुआ

रामा - म.प्र. जन अभियान परिषद् ब्लॉक रामा के शा.उ.उ.वि.रामा में विकासखंड स्तरीय व्याख्यान माला कार्यक्रम आयोजित हुआ ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती शारदा रावत, प्रभारी प्राचार्य, प्रेमसिंह चौहान, जिला समन्वयक, जन अभियान परिषद् , सुनील कुमार चौहान, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, तेजसिंह देव विकासखंड समन्वयक, जन अभियान परिषद् , राजेश सोयडा, अध्यक्ष, शकुंतला समाज सेवी संस्था (नवांकुर संस्था) विजू मावी, पेसा ब्लॉक समन्वयक, श्रीमती मीना रावत थे । आमंत्रित अतिथियों द्वारा बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण ओर दीप प्रज्वलन किया गया।

इस अवसर पर जिला समन्वयक प्रेमसिंह चौहान जी द्वारा बाबा साहब के जीवन के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि इनके विचारों से समाज के उत्थान के लिए समाज में शिक्षा के क्षेत्र में जागृति लाने के लिए एक मंच पर एक साथ एक समाज को रहने के अधिकार दिए हैं । बाबा साहब ने संघर्षशील जीवन जीने के साथ कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ते हुए इस समाज को संविधान देने के लिए जो परिश्रम किए हैं वह अविस्मरणीय है ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुनील चौहान ने कहा की बाबा साहब के जीवन में अनेक प्रकार के भेदभाव होने पर भी बाबा साहब द्वारा संघर्षशील होकर अपनी शिक्षा को जारी रखा। डॉ.भीमराव ने अपनी शिक्षा की शुरुआत महू से की और विदेश तक शिक्षा प्राप्त कर देश के सबसे अधिक शिक्षित व्यक्ति बने । और सभी देशों से 32 डिग्रियों की उपलब्धि हासिल की साथ ही राजनीति में कानून मंत्री के तौर पर रहे और संविधान के निर्माता बने, बाबा साहब ने सर्व समाज को बिना किसी भेदभाव,पक्षपात से समाज में रहने हेतु अधिकार दिए और सबसे अच्छे संविधान का निर्माण किया । विजू मावे द्वारा भी बाबा साहेब के जीवन पर अपना वक्तव्य रखा ।कार्यक्रम में क्षेत्र के ग्रामीण ,ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य , सी एम सी एल डी पी कोर्स के छात्र-छात्राएं, नवांकुर प्रमुख, एवं मेंटर्स श्रीमती क्रांति व्यास , करण सिंह परमार , रत्नेश डोडियार अर्पित भूरिया, उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन राजेश सोयडा , आभार मेंटर्स सोनम बामनिया ने माना ।कार्यक्रम समापन में जल गंगा संवर्धन अभियान की शपथ ली गई।

जल गंगा संवर्धन के अंतर्गत श्रम दान ओर नारा लेखन

झाबुआ

झाबुआ - जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पूरे जिले में जल स्त्रोतों को जीवित करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं । उसी कड़ी में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा भी जन जागरूकता के कार्य किए जा रहे है । जिला झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना के आदेश एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक प्रेम सिंह चौहान के निर्देशन एवं ब्लॉक समन्वयक तोलिया डामोर के नेतृत्व में आज ब्लॉक झाबुआ सेक्टर कल्याणपुरा की नवांकुर संस्था संस्कृति युवा मंडल समिति द्वारा ग्राम खाकर खेड़ी एवं मानपूरा के बीच

स्थित परमार फ़लिया के हैंडपंप के आसपास साफ सफाई की गई एवं शौखता गड्ढे की कीचढ़ ओर गंदगी निकाल पुनर्जीवित किया गया। ग्राम वासियों को जल संरक्षण हेतु प्रेरित भी किया।

ओर सभी को जल संरक्षण हेतु संकल्प सेक्टर प्रभारी राजेश बैरागी ने दिलवाया। इस श्रमदान कार्यक्रम में एम एस डब्ल्यू छात्र करण सिंह झनिया ,सुशीला मेडा ,पूजा डोडिया एवं ग्रामीण खुमान भाई, राजेश चोपडा, खुशाल झनिया और महिलाओं, बच्चों ने सहभागिता की ।पश्चात ग्राम पंचायत मानपुरा की दीवारों पर जल संरक्षण हेतु नारा लेखन किया गया।

इसी कड़ी में ब्लॉक झाबुआ जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था खेरमाल ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति खेरमाल द्वारा सेक्टर पिटोल बड़ी अंतर्गत ग्राम मोद में भगत फलिये में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल चौपाल बैठक की गई ।जिसमें जन अभियान परिषद झाबुआ ब्लॉक समन्वयक तोलिया डामोर, मेंटर प्रकाश मेंडा , नवांकुर समिति से अनिल खपेड द्वारा उपस्थित लोगों को जल स्त्रोतों की एवं धार्मिक स्थल की साफ सफाई जल के संरक्षण, महत्त्व की विस्तृत जानकारी दी गई। जिसमें बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू छात्र एवं प्रस्फुटन समिति सदस्यों ने भी सहभागिता की गई।

आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 5 अपराधियों के विरूद्ध की गई जिलाबदर की कार्रवाई

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने 6 माह के लिये किया जिलाबदर

इन्दौर इंदौर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये जिले के ग्रामीण थाना क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 5 अपराधियों के विरूद्ध जिलाबदर की कार्रवाई की गई है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने इन अपराधियों को 6 माह के लिये किया जिलाबदर कर दिया गया है। जिन अपराधियों को जिलाबदर किया गया है उनमें महू थाना क्षेत्र के कपिल उर्फ काशी तिजोरी पिता स्व. राजू वर्मा निवासी राजमोहल्ला महू, खुड़ैल थाना क्षेत्र के मोनू उर्फ अभिषेक पिता मुकेश खत्री और विवेक उर्फ अक्कु पिता मुकेश खत्री दोनों निवासी ग्राम सातमील असरावद बुजुर्ग रोड तथा बेटमा थाना क्षेत्र के राजुनाथ पिता बालुनाथ निवासी ग्राम माचल और अर्जुन पिता आत्माराम परमार निवासी कालीबिल्लौद शामिल हैं। ये अपराधी कई वर्षों से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हैं। इनके विरूद्ध आमजनों को अश्लील गालियां देने, मारपीट करने, अवैध वसूली करने, अवैध हथियार रखने, लूटपाट करने जैसे कई प्रकार के गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

समय पर कार्यो का संपादन कर जिले की ख्याति में वृद्धि करें - नवागत कलेक्टर श्री गुप्ता

टीएल बैठक यानि आपसी समन्वय से सर्वोच्चता की प्राप्ति

विदिशा नवागत कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने मंगलवार को लंबित आवेदनो की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागो के अधिकारियों से कहा कि सभी क्रियान्वित कार्यो, योजनाओं व कार्यक्रमों का समय पर सम्पादन कर जिले की ख्याति में वृद्धि करने के प्रयासो में कहीं कोई चूक ना करे। उन्होंने कहा है कि लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक का मतलब अंतर्रविभागीय समन्वय स्थापित कर सर्वोच्चता की प्राप्ति की सभी बाधाएं दूर करना है। नवागत कलेक्टर श्री गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनो की विभागो के अधिकारियों से कहा है कि ए ग्रेड सूची में शामिल हो और समीक्षा से बचें। जो विभाग बी,सी एवं डी ग्रेडिंग सूची में शामिल रहेंगे। उन विभागो को विशेष पहल करनी होगी ताकि सीएम हेल्पलाइन की समीक्षाओं से बच सकें। ग्रेडिंग सूची में सुधार नहीं आने पर ऐसे विभागो के अधिकारियों को अवकाश दिवसो में भी समीक्षा बैठक में मौजूद रहना होगा। इसके बावजूद सुधार परलिक्षित नहीं हुआ तो दण्डनीय कार्यवाही के सहभागी बनेंगे। उन्होंने कहा कि एल वन स्तर के अधिकारी को हरेक सीएम हेल्पलाइन की समुचित जानकारी होनी चाहिए और वे स्वंय आवेदक से सम्पर्क कर शिकायत करने के क्या कारण है से अवगत होकर निराकरण की पहल करेंगे। ऐसे आवेदन जिनका निराकरण जिला स्तर पर संभव नहीं है उन आवेदनो को सूची में कारणो सहित रेखांकित करेंगे। नवागत कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी एसडीएमो को वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से अनुविभाग स्तरीय ख्याति में गिरावट ना आए इसके लिए अन्य विभागो के कार्यक्रमो व योजनाओं के क्रियान्वयन में कसावट लाएं।

लाभांवितो की सूची का प्रदर्शन - नवागत कलेक्टर श्री गुप्ता ने लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम के लाभांवित होने वाले हितग्राहियों की सूची प्रदर्शित की जाएगी इस कार्य में सभी विभागो के अधिकारी ग्रामवार लाभांवित होने वाले हितग्राहियों की जानकारियां उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने हितग्राहियों की जानकारियों की क्रास मानिटरिंग करने के लिए ग्रामवार पटवारियों सहित अन्य को जबावदेंही सौंपने के निर्देश तहसीलदारो को दिए है।

पीएम जनमन - नवागत कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत चिन्हित सहरिया जनजाति के नागरिको को शासन की मंशा के अनुसार जो सुविधाएं दी जानी है जिन योजनाओं से लाभांवित किया जाना है के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की चूक ना हो और समय पर उसका लाभ मिलें यह सुनिश्चित कराने का दायित्व संबंधित विभाग के जिलाधिकारी का है। उन्होंने पीएम जनमन योजना के तहत अब तक विभागवार संपादित किए गए कार्यो की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देशित किया है कि योजना से पूर्व और योजना से लाभांवित होने के पश्चात् हितग्राही के जीवन में क्या परिवर्तन आया है कि जानकारी फोटोग्राफो के माध्यम से प्रदर्शित की जाए। वहीं सड़क मार्ग से लाभांवित होने वालो की संख्या सूचना पटल के माध्यम से प्रदर्शित की जाए। उन्होंने सहरिया जनजाति वर्ग के उत्थान हेतु संचालित योजनाओं के लक्ष्यों की पूर्ति में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए है।

ईकेवायसी - नवागत कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी हितग्राहियों की ईकेवायसी संबंधी कार्य युद्धगति से शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए है उन्होंने कहा कि ईकेवायसी के अभाव में हितग्राही योजना के लाभ से वंचित ना रहें यह नैतिक दायित्व हम सबका है। उन्होंने ग्रामवार कुल कितने नागरिक किन-किन योजनाओं से लाभांवित हुए है और उन सबकी ईकेवायसी हुई कि नहीं का परीक्षण कर ईकेवायसी कराने के कार्य संपादित किए जाएं। इस कार्य में राजस्व, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग की भी मदद ली जाएं। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएमएमयू, सीएम राइज स्कूल, उपार्जन कार्य, आदर्श ग्राम पंचायतो, नलजल योजनाएं, पीएम जनमन, खाद एवं बीज की आपूर्ति, भण्डारण एवं वितरण, जल मिशन के कार्य, स्वास्थ्य विभाग के कार्य व आयुष्मान पखवाडा, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न का उठाव एवं वितरण की स्थिति, खनिज, परिवहन, आबकारी एवं पंजीयन विभाग की राजस्व प्राप्ति और उनके साप्ताहिक निरीक्षण कार्यो की जानकारियां प्राप्त की गई है। बैठक में आंगनबाडी भवनो, एएनसी पंजीयन, सीएम राइज स्कूल भवनो की प्रगति, संजीवनी क्लिनिक, पीएम विश्वकर्मा योजना, सीखो कमाओ योजना, चरनोई भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने, स्वामित्व योजना तथा खाद्य सुरक्षा सेम्पलिंग व पांच वर्ष तक के बच्चो के आधार कार्ड बनाए जाने तथा अवैध कालोनियों पर की जा रही कार्यवाही इत्यादि की भी समीक्षा की गई है। उक्त बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया के अलावा संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहें। वहीं अनुविभागीय अधिकारियों समेत अन्य खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद किया गया।

कलेक्टर की निर्देश पर उपार्जन केंद्र का लगातार किया जा रहा है निरीक्षण

सागर कलेक्टर श्री संदीप जी आर के निर्देश पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार के द्वारा समस्त खरीदी उपार्जन केन्द्रों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है और किसान भाइयों से चर्चा की जा रही है। कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उपार्जन के दौरान किसान भाइयों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए उपार्जन केन्द्र पर सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहें और लगातार निरीक्षण करें। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी केंद्र पर वारदानें की कमी नहीं होना चाहिए और लगातार वारदानें में उपार्जित उपज को पैक कर परिवहन किया जाए और किसान भाइयों को समय पर भुगतान भी हो। कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने निर्देश दिए कि समस्त उपार्जन केन्द्रों पर तौल कांटे का निरीक्षण करें और सभी केन्द्रों पर कम से कम कर तौल कांटे उपलब्ध हों। उपार्जन केन्द्रों पर शुद्ध पेयजल एवं धूप से बचने के लिए छांव की व्यवस्था भी रहे। इसी परिपेक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सागर श्री विवेक के वी द्वारा जैसीनगर मंडी में संचालित (3 केंद्र) प्राथमिक कृषि साख समिति हड़ा कंडेला, वैष्णवी स्व सहायता समूह हरिहर स्व सहायता समूह एवं बिलहरा मंडी में गोविंद स्व सहायता समूह द्वारा संचालित उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया गया। जैसीनगर में स्वीकृत पत्रक की जानकारी ली गई। एसडीएम सागर श्रीमती अदिति यादव के द्वारा उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया गया एवं आवश्यक निर्देश दिए गए। इसी प्रकार बीना के तहसीलदार श्री अंबर पंथी के द्वारा उत्पादन केंद्र का निरीक्षण किया गया। शाहगढ़ के उपार्जन केन्द्रों का तहसीलदार श्री जीएस राय के द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है एवं सभी अधिकारियों द्वारा उपार्जन केन्द्रों पर मौजूद किसान भाइयों से चर्चा की जा रही है

पुरानी जेल भूमि नीलामी मामले में आप नेता शिबू विश्वकर्मा को आरटीआई में नहीं मिली सही जानकारी

मांगी थी पुरानी जेल भूमि नीलामी की जानकारी, जवाब में प्रशासन ने थमाई नई जेल की कहानी

लोक सूचना अधिकारी का भ्रामक जवाब, आरटीआई के जरिये उजागर हुई प्रशासन की लापरवाही

बैतूल। प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के नर्मदापुरम संभागीय अध्यक्ष एवं आम आदमी पार्टी बैतूल के नेता शिबू विश्वकर्मा द्वारा जिला कलेक्टर कार्यालय के लोक सूचना अधिकारी से सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई जानकारी ने प्रशासनिक पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने 24 मार्च को एक आवेदन देकर स्पष्ट रूप से यह जानकारी चाही थी कि बैतूल की पुरानी जेल की भूमि पिछले वर्षों में किसे और कितने में बेची गई, उसकी नीलामी प्रक्रिया और उससे संबंधित सभी दस्तावेजों की सत्यापित प्रतिलिपिया उपलब्ध कराई जाएं। लेकिन जवाब में जिला जेल बैतूल के अधीक्षक द्वारा भेजी गई जानकारी में पुरानी जेल की भूमि से जुड़ी किसी भी नीलामी या बिक्री से संबंधित स्पष्ट दस्तावेज शामिल नहीं किए गए। इसके बजाय जानकारी में मध्यप्रदेश शासन की पुनर्निर्माण नीति 2016 के अंतर्गत कढ़ाई ग्राम में नई जेल निर्माण से संबंधित जानकारी भेजी गई है, जिसे गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस मामले में आवेदक शिबू विश्वकर्मा ने कहा कि प्रशासन द्वारा मांगी गई जानकारी से अलग विषय पर जवाब देना साफ तौर पर लापरवाही और जवाबदेही से बचने की कोशिश को दर्शा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा गोलमोल और भ्रामक उत्तर देना आम बात बनती जा रही है। आरटीआई जैसे सशक्त माध्यम को भी हल्के में लिया जा रहा है, जो लोकतंत्र और पारदर्शिता के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब अधिकारी जवाबदेही से भागते हैं, तो आम जनता को न्याय कैसे मिलेगा। शिबू विश्वकर्मा ने इस मामले को लेकर आगे पुलिस कमिश्नर से मिलने का निर्णय लिया है, ताकि इस प्रकार की भ्रामक जानकारी देने वाले अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई हो सके। उन्होंने मांग की कि शासन को ऐसे पदों पर केवल योग्य, संवेदनशील और जवाबदेह अधिकारियों की नियुक्ति करनी चाहिए, ताकि सूचना का अधिकार अधिनियम वास्तव में जनहित में प्रभावी साबित हो सके।

महेश भूपति की इस खूबी पर दिल हार बैठीं लारा दत्ता

दिलचस्प है लव स्टोरी

अदाकारा लारा दत्ता ने कई चर्चित फिल्मों में काम किया है। लारा ने अभिनय से पहले मॉडलिंग के जरिए अपना नाम बनाया। फिर, अभिनय की दुनिया में कदम रखे। इससे पहले वर्ष 2000 में उन्होंने मिस यूनिवर्स का खिताब भी अपने नाम किया। लारा ने बॉलीवुड फिल्म अंदाज से डेब्यू किया। इसके बाद कई और चर्चित फिल्मों का हिस्सा बनीं। निजी जीवन की बात करें तो लारा ने भारतीय टेनिस स्टार महेश भूपति से शादी रचाई। जानते हैं दोनों की लव स्टोरी...

महेश भूपति की कंपनी को सौंपी गई ये जिम्मेदारी

सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता और महेश भूपति की पहली मुलाकात बेहद खास थी। ये दोनों ही बंगलूरु से हैं। कहा जाता है कि महेश भूपति ने पहली बार लारा दत्ता को साल 2000 में मिस यूनिवर्स बनने के बाद देखा था। हालांकि, मिस यूनिवर्स से पहले महेश भूपति एक विश्व प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी बन चुके थे। लारा दत्ता को पहली बार देखने के बाद उन्हें पसंद करने लगे थे। इसके बाद इन दोनों की मुलाकात महेश भूपति की एंटरटेनमेंट और स्पोर्ट्स मैनेजमेंट कंपनी के संबंध में बिजनेस मीटिंग के दौरान हुई, जिसमें लारा दत्ता ने महेश की कंपनी को अपने काम का मैनेजमेंट देखने के लिए कहा था।

कैंडिल लाइट डिनर के दौरान किया प्रपोज

महेश भूपति ने लारा दत्ता को अमेरिका में एक कैंडिल लाइट डिनर के दौरान अंगूठी पहनाकर प्रपोज किया था। इस अंगूठी को महेश ने खासतौर पर खुद ही लारा के लिए डिजाइन करवाया था। उस समय महेश यूएस ओपन खेलने के लिए न्यूयॉर्क गए हुए थे। मीडिया के पूछने पर अक्सर यह दोनों एक-दूजे को अपना सिर्फ दोस्त बताते थे। अपने शांत और हंसमुख स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले महेश भूपति का मैच देखने पहुंची लारा दत्ता उनकी सादगी पर फिदा हो गई थीं।

2011 में रचाई शादी

लारा और महेश भूपति ने सितंबर, 2010 में सगाई की थी। इसके बाद अगले साल 16 फरवरी, 2011 को दोनों ने मुंबई में शादी रचा ली। दोनों ने एक सादगी भरे समारोह में एक-दूजे से शादी रचाई। शादी के 6 महीने बाद लारा ने अनाउंस किया कि वो प्रेग्नेंट हैं। दोनों की एक खूबसूरत बेटी है, जिसका नाम सायरा भूपति है।

जूनियर एनटीआर ने पहनी कितने रुपये की एक शर्ट

एक्टर का लग्जरी फैशन इंटरनेट पर मचा रहा है धूम

जूनियर एनटीआर हाल ही में जापान से अपनी फिल्म देवरा पार्ट 1 का प्रमोशन कर लौटे हैं, जिसके बाद वह अपने परिवार के साथ दुबई में छुट्टियां मनाने चले गए हैं, लेकिन जिस चीज ने सभी का ध्यान खींचा है, वह यह वेकेशन नहीं बल्कि जूनियर एनटीआर की शर्ट है।

85000 रुपये की शर्ट 123 डॉट कॉम की एक खबर के अनुसार, आरआरआर अभिनेता Junior NTR को नीले, क्रीम और ग्रे रंग की पैस्ले प्रिंट की हाफ स्लीव वाली शर्ट में देखा गया। इस शर्ट का डिजाइन काफी यूनीक था। लेकिन जिस चीज ने सभी को चौंकाया वह थी इसकी कीमत। इस लग्जरी शर्ट की कीमत है पूरे 85000 रुपये है, जो अब फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

जूनियर एनटीआर की फोटो हुई वायरल जूनियर एनटीआर की पैस्ले प्रिंट शर्ट की तस्वीर अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। जैसे ही सोशल मीडिया पर जूनियर एनटीआर की इस शर्ट की कीमत सामने आई है, यह फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गई है। देवरा पार्ट 1 के अभिनेता के फैंस अब इस पर अपनी प्रतिक्रिया लगातार दे रहे हैं।

जूनियर एनटीआर का वर्कफ्रंट वर्कफ्रंट की बात करें तो जूनियर एनटीआर निर्देशक प्रशांत नील की आगामी फिल्म ड्रैगन में दिखाई देंगे। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू की जाएगी। इसके अलावा जूनियर एनटीआर फिल्म वॉर 2 ३में ऋतिक रोशन के साथ नजर आएंगे। इन दोनों फिल्मों के अलावा निर्देशक कोरटाला शिवा के साथ देवरा॰ पार्ट 2 पाइपलाइन में है।

लिन लैशराम से शादी के खिलाफ था रणदीप हुड्डा का परिवार, नहीं चाहते थे कि गैर-जाट से शादी करें

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी फिल्म जाट को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनका दमदार एक्शन हर किसी को पसंद आ रहा है। इसी दौरान दिए एक इंटरव्यू में रणदीप ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खुलासा किया और बताया कि किस तसर से उनका परिवार नहीं चाहता था कि वह किसी और धर्म की लड़की से शादी करें। **लिन से शादी के खिलाफ था रणदीप का परिवार** शुभंकर मिश्रा को दिए गए इंटरव्यू में रणदीप ने कहा, लिन के साथ रिश्ते में शुरू में कई दिक्कतें आईं क्योंकि हर माता पिता की तरह मैरे भी मां-बाप चाहते थे कि मैं उनके धर्म में ही शादी करूं। जाटों में यह परंपरा रही है। रणदीप ने आगे बताया, मैं अपने घर में पहला ऐसा व्यक्ति हूं, जिसने अपने धर्म के खिलाफ जाकर शादी की है। इसलिए हर किसी को मेरे घर में इससे परेशानी थी, लेकिन वक्त के साथ सभी समस्याएं दूर हो गईं लिन के साथ खुश हैं रणदीप इंटरव्यू में आगे रणदीप हुड्डा ने बताया, मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा, लेकिन हमारे रास्ते मिले और मैं बहुत खुश हूं कि ऐसा हुआ। आगे रणदीप ने मजाक में कहा, हां, मेरी शादी में थोड़ी देर जरूर हुई, क्योंकि मेरे पास सरकारी नौकरी नहीं थी।

हॉरर फिल्म ऑफर होने पर क्या था सोहा का फर्स्ट रिएक्शन, बताया कैसी होस्ट हैं नुसरत

सोहा अली खान ने हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत की। अभिनेत्री ने इस दौरान 'छोरी 2' से फिल्मों में लंबे समय के बाद वापसी पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने बताया कि आखिर उन्होंने हॉरर किरदार क्यों चुना? पढ़ते हैं अभिनेत्री से हुई खास बातचीतः

'दासी मां' के किरदार के लिए क्यों राजी हुई सोहा? 'छोरी 2' में 'दासी मां' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री सोहा अली खान ने लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी की है। अभिनेत्री से जब पूछा गया कि उनकी एक क्यूट इमेज है, तो जब उन्हें इस किरदार के लिए अप्रोच किया गया तो उनके मन में ये सवाल नहीं आया कि इस किरदार के लिए मैं ही क्यों? इस पर सोहा ने कहा, 'मैंने सोचा, लेकिन ऐसे पूछा नहीं। मैंने निर्देशक से पूछा कि आपने मेरे बारे में कैसे सोचा? क्योंकि ये थोड़ा अलग है। मैंने इस तरह का रोल कभी नहीं किया है। उन्होंने कहा अब तक जो हॉरर फिल्में बनी हैं। जो किरदार रहा है चुड़ैल का भूतनी का वो एक किस्म का रहा है। स्टीरियोटाइप रहा है। हम इस बार हॉरर को थोड़ा खूबसूरत रूप में दिखाना चाहते हैं। जो बहुत खूबसूरत तो नहीं, लेकिन उसमें कुछ है, जो आपको अट्रैक्ट भी करता है और आप उससे डरते भी हैं। कॉन्सेप्ट के तौर पर मुझे ये बहुत आकर्षक लगा। जिस तरह से वह दासी मां का किरदार दिखाना चाहते थे, जो मेरे ख्याल से काफी आकर्षक है। जब लोग मुझे पोस्टर में ट्रेलर में ऐसे देखेंगे, तो उन पर कुछ प्रभाव पड़ेगा। बतौर एक्टर मेरे लिए यह चुनौतीपूर्ण रहेगा।'

लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी सोहा से जब लंबे समय बाद फिल्मों में उनकी वापसी पर सवाल किया गया और उनसे पूछा गया कि क्या वह किसी खास किरदार के इंतजार में थीं? तो अभिनेत्री ने कहा, 'नहीं मैंने ऐसा नहीं सोचा था कि मैं दासी मां का ही रोल करूंगी। मुझे कंटेंट में रुचि है, चाहे वो शो हो या फिल्म हो। दो शो मैंने किए, जो मुझे पसंद थे। फिर मैंने ये फिल्म की, क्योंकि बतौर एक्टर मुझे रुचि थी। मुझे 'छोरी 2' का हिस्सा बनने में भी इंट्रेस्ट था, क्योंकि 'छोरी' मुझे पसंद आई थी। मैं परफॉर्मेंस बेस्ड फिल्मों की सराहना करती हूं। मुझे विशाल सर पर विश्वास था कि वो मुझसे वो परफॉर्मेंस निकाल पाएंगे, जो शायद मैं नहीं कर पा रही हूं।

नुसरत भरुचा को लेकर क्या कहा? अभिनेत्री से जब नुसरत भरुचा के बारे में पूछा गया कि वह कैसी को-स्टार हैं और जब आप सेट पर गईं तो वहां आपने खुद को कैसे स्थापित किया? इस पर सोहा ने कहा, जब आप सीक्वल में एक नए इंसान के तौर पर घुसते हैं, तो यह ऐसा लगता है जैसे नए स्कूल में आप जाते हैं तो सबकी अपनी ट्विनिंग है और आप एक दम नए हैं।' सोहा ने आगे कहा, 'एक तो मुझे लोगों से मिलना अच्छा लगता है। मैं लोगों को अपना दोस्त बना लेती हूं। आप फिल्म में भी देखेंगे, तो मैं और नुसरत बहुत कम ही मिलते हैं, क्योंकि उनकी बेटी के साथ मेरा रोल ज्यादा है। कुछ खास सीन हैं जो हमारे बीच हैं। नुसरत बहुत ही वेलकमिंग और फ्रेंडली है। सेट पर जब भी एक दूसरे से बात करते थे, तो विशाल जी बीच में आ जाते थे और हमें मना करते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि हम एक अलग जोन में चले जाएंगे।'

'छोरी 2' के बारे में 'छोरी 2' का पहला भाग साल 2021 में रिलीज हुआ था। 'पार्ट 2' 11 अप्रैल से ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहा है। 'छोरी 2' में नुसरत भरूचा , सोहा अली खान , गशमीर महाजनी , सौरभ गोयल , कुलदीप सरीन , पल्लवी अजय और हार्दिका शर्मा जैसे कलाकार शामिल हैं। विशाल फुरिया ने इसका निर्देशन किया है।

रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्म में पुलिस ऑफिसर बनेंगे जॉन अब्राहम, इस दिन होगी शूटिंग शुरू

जॉन अब्राहम जहां पहले भी अपनी फिल्मों में पुलिस ऑफिसर का रोल कर चुके हैं, वहीं रोहित शेट्टी भी अपनी कॉप यूनिवर्स वाली फिल्मों के लिए मशहूर हैं। अब जॉन और रोहित अब साथ आए हैं। रोहित की अगली फिल्म में जॉन अब्राहम पुलिस ऑफिसर का रोल करेंगे। जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली है।

चार महीने चलेगी फिल्म की शूटिंग रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्म का नाम 'एक्शनेर' बताया जा रहा है। इस फिल्म की शूटिंग लगभग चार महीने तक चलेगी। रोहित की फिल्म की शूटिंग मुंबई की 40 अलग-अलग लोकेशन पर होगी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रोहित और जॉन अब्राहम फिल्म 'एक्शनेर' की शूटिंग 18 अप्रैल से शुरू करने वाले हैं।

क्या है फिल्म की कहानी कुछ समय पहले जॉन अब्राहम ने पिंकविला से हुई बातचीत में बताया था कि वह रोहित शेट्टी की फिल्म कर रहे हैं और इसकी कहानी बहुत ही खास है। अब खबर है कि रोहित शेट्टी मुंबई पुलिस कमिशनर रहे राकेश मारिया की जिंदगी से इंस्पायर होकर ये फिल्म बना रहे हैं। 1993 में बॉम्बे ब्लास्ट की छानबीन करने से लेकर 26/11 के आतंकवादी हमलों का सामना करने तक की कहानी फिल्म में दिखाई जाएगी। जॉन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

जॉन की इस फिल्म में काम करने की ख्वाहिश पिछले दिनों भी अपनी फिल्म 'डिप्लोमैट' का प्रमोशन करने के दौरान जॉन अब्राहम ने कहा था कि वह शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' का प्रीक्वल चाहते हैं। इस प्रीक्वल में उनके किरदार जिम की कहानी को विस्तार से दिखाया जा सकता है। 'पठान' में जॉन ने विलेन का कैरेक्टर निभाया, जिसका नाम जिम था।

ओलंपिक 2028- क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा

अमेरिका के पोमोना में बनेगा खास अस्थायी स्टेडियम

नई दिल्ली। ओलंपिक खेलों में 124 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है और इसके लिए अमेरिका के साउदर्न कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में खास अस्थायी स्टेडियम बनाया जाएगा। जो इस खेल का आयोजन स्थल होगा। एलए 28 ओलंपिक आयोजक समिति ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह आयोजन स्थल फेयरप्लेक्स कहलाता है, जो 500 एकड़ में फैला हुआ है और 1922 से लॉस एंजेलिस काउंटी फेयर की मेजबानी कर रहा है।

14 जुलाई से 30 जुलाई तक होंगे ओलंपिक 2028 लॉस एंजेलिस में 14 जुलाई से 30 जुलाई 2028 तक होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट 1900 के बाद पहली बार शामिल होगा। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब क्रिकेट का आयोजन तेज़-तर्रार और रोमांचक T20 फॉर्मेट में होगा, जिससे दुनियाभर के नए दर्शकों को जोड़ने की कोशिश होगी।

पुरुष और महिला वर्ग में 6-6 टीमें लेंगी हिस्सा एलए 28 ओलंपिक में पुरुष और महिला वर्ग में कुल 6-6 टीमें खेलेंगी। इसके लिए क्रिकेट को 90 एथलीट कोटा मिला है, यानी हर टीम में 15 खिलाड़ियों का स्क्वाड होगा। हालांकि क्वालिफाइंग रास्ता और कट-ऑफ्स का ऐलान अभी नहीं हुआ है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने दी प्रतिक्रिया आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा, हम क्रिकेट के लिए ओलंपिक में वेन्यू की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह हमारे खेल की ओलंपिक में वापसी की तैयारी की दिशा में अहम कदम है। क्रिकेट वैसे तो एक बेहद लोकप्रिय खेल है, लेकिन ओलंपिक जैसे मंच पर टी 20 फॉर्मेट में खेलना नई ऑडियंस तक पहुंचने का शानदार अवसर होगा।

इन नए खेलों को भी मिली जगह एलए 28 ओलंपिक में क्रिकेट के अलावा बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रॉस (सिक्सेस) और स्क्वैश को भी जगह मिली है। उम्मीद जताई जा रही है कि 2032 ब्रिस्बेन ओलंपिक में भी क्रिकेट को बरकरार रखा जाएगा। वहां गाबा स्टेडियम के आखिरी मैच के तौर पर क्रिकेट फाइनल कराने की योजना है, इसके बाद स्टेडियम को तोड़ने की तैयारी है।

पंजाब किंग्स ने तोड़ा 16 साल पुराना रिकॉर्ड, आईपीएल में सबसे कम लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया

स्पिनर युजवेंद्र चहल की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइटडर्स (केकेआर) को 16 रनों से हराया। पंजाब ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 15.3 ओवर में 111 रन बनाए, लेकिन जवाब में केकेआर की पूरी टीम 15.1 ओवर में 95 रन पर ऑलआउट हो गई। पंजाब ने इस तरह आईपीएल इतिहास में सबसे कम लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव कर लिया।

सीएसके का रिकॉर्ड तोड़ा पंजाब ने इस मामले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के 16 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। सीएसके ने डरबन में 2009 में पंजाब के खिलाफ खेले गए मैच में सबसे कम लक्ष्य का बचाव किया था। उस वक्त सीएसके ने 117 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया था। पंजाब की टीम आठ विकेट पर 92 रन ही बना पाई थी। अब श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम ने 16 साल बाद इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा और केकेआर को 112 रन का लक्ष्य हासिल नहीं करने दिया। केकेआर और पंजाब किंग्स के बीच हमेशा ही दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलता है। पिछले सीजन पंजाब ने केकेआर के ही खिलाफ आईपीएल का सबसे सफल लक्ष्य हासिल किया था। वहीं, अब आईपीएल का सबसे कम स्कोर का बचाव कर लिया।

अंक तालिका का हाल पंजाब किंग्स के छह मैचों में चार जीत और दो हार के साथ आठ अंक हैं और वह अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। वहीं, केकेआर की टीम सात मैचों में तीन जीत और चार हार के साथ छह अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर खिसक गई है। गुजरात टाइटंस की टीम छह मैचों में चार जीत और दो हार के साथ आठ अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है।

आईपीएल में सर्वाधिक बार 4+ विकेट लेने वाले गेंदबाज बने चहल चहल इस मैच में शानदार प्रदर्शन के दम पर आईपीएल में सर्वाधिक बार चार या इससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में केकेआर के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन की बराबरी कर ली जिन्होंने चहल की तरह आईपीएल में आठ बार चार या इससे अधिक विकेट लिए हैं। केकेआर के खिलाफ यह तीसरी बार है जब चहल ने चार या इससे अधिक विकेट लिए हैं। यह किसी गेंदबाज का किसी टीम के खिलाफ सर्वाधिक बार ऐसा करना है। लसिथ मलिंगा ने सात बार ऐसा किया है, जबकि कैगिसो रबाडा ने छह और अमित मिश्रा ने पांच बार ऐसा किया है।

केकेआर की खराब बल्लेबाजी लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी भी समय केकेआर की स्थिति अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में विकेट गंवाए। हालांकि, कप्तान अजिंक्य रहाणे ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे अंगकृष रघुवंशी के साथ तीसरे विकेट के लिए 55 रनों की साझेदारी की, लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही केकेआर की पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। अंत में आंद्रे रसेल ने जरूर कुछ बड़े शॉट खेलकर टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरने के कारण वह अपनी इस कोशिश में सफल नहीं हुए।

केकेआर के लिए रघुवंशी ने सबसे ज्यादा 37 रन बनाए, जबकि रहाणे ने 17 और रसेल ने 17 रन बनाए। इन तीन बल्लेबाजों के अलावा केकेआर का कोई बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच सका, जबकि उसके तीन बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खोल सके। पंजाब के लिए चहल ने चार ओवर में 28 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि तेज गेंदबाज मार्को यानसेन ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए और टीम को अभूतपूर्व जीत दिलाने में अहम योगदान दिया।

हर्षित की दमदार गेंदबाजी इससे पहले, हर्षित राणा की अगुआई में गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया जिससे पंजाब की टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी। पंजाब के लिए सबसे ज्यादा रन सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने बनाए। प्रभसिमरन सिंह ने 15 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 30 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रभसिमरन और प्रियांश आर्या ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई और टीम ने तीन ओवर में ही 30 रन का आंकड़ा पार कर लिया। हालांकि, चौथा ओवर डालने आए हर्षित ने प्रियांश को आउट कर पंजाब को पहला झटका दिया जो 12 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाकर आउट हुए। पंजाब की पारी यहां से लड़खड़ा गई और उसने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। अच्छी लय में चल रहे कप्तान श्रेयस अय्यर तो खाता भी नहीं खोल सके।

पंजाब की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि टीम के पांच बल्लेबाज ही दहाई अंक तक पहुंच सके। पंजाब के लिए शशांक सिंह ने 18 रन बनाए जिससे टीम का स्कोर 100 के पार पहुंच सका। इनके अलावा जेवियर बार्टलेट ने 11, नेहाल वढेरा ने 10, ग्लेन मैक्सवेल ने सात, सुर्यांश शेडगे ने चार और मार्को यानसेन ने एक रन बनाए। वहीं, अर्शदीप सिंह एक रन बनाकर नाबाद लौटे। केकेआर की ओर से हर्षित सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने तीन ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। उनके अलावा वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन को दो-दो विकेट मिले, जबकि वैभव अरोड़ा और एनरिच नॉर्त्जे को एक-एक विकेट मिला।

भूकंप का टाइम बम! हिमालय के नीचे छिपा है महाविनाश, करोड़ों भारतीय खतरे में

नेशनल डेस्क. 28 मार्च 2025 को म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने एशिया के कई देशों को हिला कर रख दिया। इस भयानक आपदा में करीब 3 हजार लोगों की जान चली गई और 5 हजार से यादा लोग घायल हो गए। इतना ही नहीं, थाईलैंड में भी 17 लोगों की मौत हुई। इस भूकंप ने जो ऊर्जा छोड़ी वह लगभग 300 परमाणु बमों के बराबर थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह घटना हिमालय क्षेत्र में आने वाले संभावित विनाशकारी भूकंप की आहट हो सकती है।

हिमालय के नीचे छिपा है टाइम बम

वैज्ञानिकों की माने तो हिमालय के नीचे एक शक्तिशाली भूकंप का टाइम बम छिपा है, जिसे ग्रेट हिमालयन अर्थक्वेक कहा जाता है। यह भूकंप 8 या उससे अधिक तीव्रता का हो सकता है और इसका प्रभाव पूरे उत्तर भारत पर पड़ सकता है। अमेरिका के प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक रोजर बिलहम ने चेतावनी दी है कि यह कोई कल्पना नहीं बल्कि भविष्य की एक निश्चित आपदा है।

हर सदी 2 मीटर खिसकता है भारत

रोजर बिलहम के अनुसार, भारत हर सदी में तिब्बत की ओर करीब 2 मीटर खिसकता है। लेकिन इसका उत्तरी किनारा आसानी से नहीं खिसकता बल्कि हिमालय के नीचे की परतें सैकड़ों वर्षों तक फंसी रहती हैं। जब ये परतें अचानक टूटती हैं, तो तेज झटकों के साथ भूकंप आता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक मानते हैं कि आने वाला भूकंप अब केवल वक्त का इंतजार कर रहा है।

म्यांमार भूकंप क्या संकेत दे रहा है? 28 मार्च को म्यांमार में जो भूकंप आया, वह स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट के कारण था, जिसमें पृथ्वी की प्लेटें क्षैतिज रूप से एक-दूसरे से टकराती हैं। यह भूकंप भले ही सीधे हिमालयन फॉल्ट से जुड़ा न हो, लेकिन यह इस बात का इशारा जरूर करता है कि टेक्टोनिक प्लेट्स के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसी गतिविधियां भविष्य में बड़े भूकंप की भूमिका बना रही हैं।

क्यों डरावनी है ग्रेट हिमालयन भूकंप की चेतावनी?

हिमालयी क्षेत्र में पिछले 70 सालों से कोई बड़ा भूकंप नहीं आया है, जबकि धरती के भीतर दबाव लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिक मानते हैं कि ये दबाव जब टूटेगा, तो 8 या उससे अधिक तीव्रता का भूकंप आ सकता है। इसकी चपेट में करोड़ों लोग आ सकते हैं, खासकर वो जो पहाड़ी और भूकंपीय क्षेत्रों में रहते हैं।

क्या भारत तैयार है?

इस समय भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। भूकंप की भविष्यवाणी तो नहीं की जा सकती, लेकिन इसके प्रभाव को कम करने के लिए सरकार और आम लोगों को तैयार रहना चाहिए।

स्कूल, अस्पताल, सरकारी और निजी इमारतों को भूकंपरोधी बनाना, लोगों को जागरूक करना और इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम को मजबूत करना वक्त की मांग है।

हसीना और बेटे पर कोर्ट का प्रहार, बांग्लादेश लौटे बिना ही गिरफ्तारी की तलवार

बांग्लादेश की एक अदालत ने मंगलवार को राजधानी के बाहरी इलाके में आवासीय भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं से संबंधित दो मामलों में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके बेटे सजीब वाजेद और 16 अन्य के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अदालत के एक अधिकारी ने कहा, ''ढाका मेट्रोपॉलिटन वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश की अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) के आरोपपत्रों को ध्यान में रखते हुए पूर्वाचल न्यू टाउन में भूखंड आवंटन में अनियमितताओं के दो मामलों में वारंट जारी किए हैं।%%

अभियोजन पक्ष के वकील के अनुसार, अधिकतर आरोपी सरकारी अधिकारी थे। अदालत ने पुलिस को आदेश दिया कि यदि स्व-निर्वासित पूर्व प्रधानमंत्री और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है तो 29 अप्रैल को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। अधिकारी ने बताया कि न्यायाधीश जाकिर हुसैन ने ढाका और देश के अन्य भागों में एक दर्जन से अधिक थानों के प्रभारी अधिकारियों को संबंधित तिथि तक अपने आदेश के क्रियान्वयन पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

इसी अदालत ने इससे पहले हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजेद पुतुल, उनकी बहन शेख रेहाना, ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीक, रेहाना के बेटे रादवान मुजीब सिद्दीक और 48 अन्य के खिलाफ राजनीतिक सत्ता का दुरुपयोग कर कथित अवैध भूमि आवंटन के सिलसिले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। पिछले साल पांच अगस्त को छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विद्रोह में हसीना की 16 साल पुरानी अवामी लीग सरकार अपदस्थ हो गई थी। तब से 77 वर्षीय हसीना भारत में रह रही हैं।

बिल्लियों की तस्करी का भंडाफोड़, दुर्लभ प्रजातियों के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

स्पेन की पुलिस ने इंटरनेट पर खूबसूरत बिल्लियों की बिक्री के संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस विभाग ने एक बयान में बताया कि मल्लोरका के बेलरिक द्वीप, मनाकोर इलाके में इन दोनों तस्करों की गिरफ्तारी के साथ ही 19 जानवर भी बरामद किए गए जिनमें एक कैराकल (काले कानों वाली जंगली बिल्ली की एक प्रजाति) और दो सर्वल(अफ्रीकी मूल की एक छोटी जंगली बिल्ली) प्रजाति की बिल्लियां भी शामिल थीं।

इन दोनों के कब्जे से पशुओं के 40 से ज्यादा पासपोर्ट भी बरामद किए गए जो रूस, बेलारूस और चीन से संबंधित थे। तस्करों के खिलाफ इस अभियान की शुरूआत पिछले साल मार्च में यह जानकारी मिलने के बाद की गई थी कि पाल्मा डी मल्लोरका में एक दंपति घरेलू बिल्लियों के साथ इन बिल्लियों को बेचने के मकसद से पाल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बरामद किए गए जानवरों को पूर्वी स्पेन के एलिसांते में एक बचाव एवं पुनर्वास केंद्र में स्थानांतरित किया जाएगा।

मैं जा रहा हूं... टॉयलेट पेपर पर लिखकर छोड़ी नौकरी, वजह कर देगी हैरान!

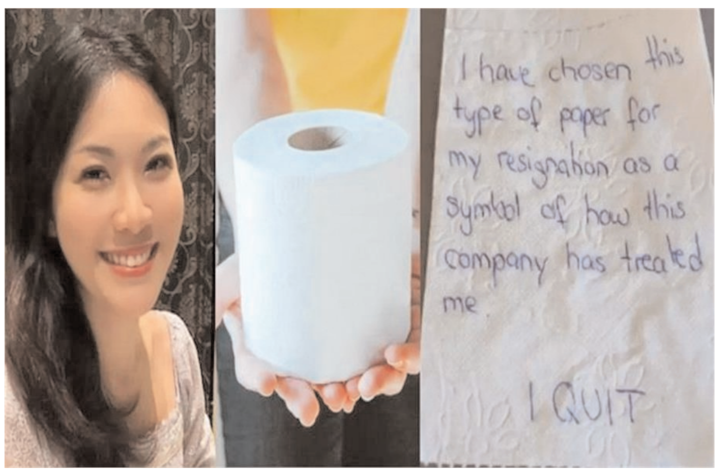

इंटरनेशनल डेस्क। प्राइवेट सेक्टर में नौकरी बदलना आम बात है। ज्यादातर लोग जब कंपनी छोड़ते हैं तो वे ईमेल या लिखित लेटर के जरिए इस्तीफा देते हैं लेकिन क्या आपने कभी किसी को टॉयलेट पेपर पर इस्तीफा देते देखा या सुना है? सिंगापुर की एक टैलेंट हायरिंग कंपनी %समिट टैलेंट% की डायरेक्टर एंजेला यो ने हाल ही में एक ऐसा ही अनोखा रिजाइन लेटर सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसने सभी को हैरान कर दिया।

मैं जा रहा हूं... टॉयलेट पेपर पर लिखा इस्तीफा!

एंजेला ने लिंक्डइन पर बताया कि उनकी कंपनी में एक पुरुष कर्मचारी ने इस्तीफा देने के लिए बेहद अलग तरीका अपनाया। उसने अपना रिजाइन लेटर टॉयलेट पेपर पर लिखा और उसमें सिर्फ यही लिखा-

इस कंपनी ने मेरे साथ जैसा व्यवहार किया उसके प्रतीक के रूप में मैंने रिजाइन के लिए यह पेपर चुना। मैं जा रहा हूं।

क्या सीख मिलती है?

यह वाकया भले ही अजीब लगे लेकिन यह एक बड़ा संदेश भी देता है कि कर्मचारियों को केवल काम करने वाली मशीनें न समझें। उन्हें सम्मान और पहचान मिलनी चाहिए। अगर वे नौकरी छोड़ रहे हैं तो उन्हें इस तरह नहीं जाना चाहिए कि वे खुद को बेवजह इस्तेमाल की गई चीज़ समझें।

यह पढ़कर एंजेला को झटका जरूर लगा लेकिन उन्होंने इस वाकये से एक गंभीर संदेश भी लिया।

जैसे इस्तेमाल के बाद फेंक दिया गया टिश्यू पेपर

पोस्ट में उन्होंने लिखा-

जब इस कर्मचारी ने अपनी निराशा जताई तो मेरे मन में एक ही बात आई—जैसे ज़रूरत के समय इस्तेमाल किया गया टॉयलेट पेपर जिसे बाद में बिना किसी कदर के फेंक दिया जाता है।

एंजेला ने यह भी कहा कि हर कंपनी को अपने कर्मचारियों को यह महसूस कराना चाहिए कि वे मूल्यवान हैं। कोई भी कर्मचारी कंपनी छोड़ते वक्त खुद को अपमानित न समझे बल्कि एक गरिमापूर्ण विदाई मिले।

सोशल मीडिया पर वायरल, लोगों ने दी प्रतिक्रियाएं

एंजेला का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और इस पर ढेरों कमेंट्स आए। कुछ यूज़र्स ने मजाकिया अंदाज़ में लिखा-

हर कागज़ का अपना महत्व है, टॉयलेट पेपर का भी। कृपया इसका इस्तेमाल सिर्फ उसी के लिए करें!

वहीं कुछ लोगों ने कहा कि कई बार दिक्कत कंपनी से ज़्यादा बीच के मैनेजरों की होती है जो टीम को सही ढंग से लीड नहीं कर पाते।

व्यापार

लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ सोना - जानें 10 ग्राम 24 और 22 कैरेट सोने का भाव

नेशनल डेस्क. भारत में सोने के भाव में गिरावट का सिलसिला बुधवार 16 अप्रैल 2025 को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। निवेशकों और खरीदारों के लिए यह राहत की खबर हो सकती है, क्योंकि कुछ ही दिनों पहले तक सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थीं। वहीं चांदी की कीमतों में भी हल्की गिरावट दर्ज की गई है।

सोने की कीमत में करीब 300 तक की कमी

आज बुलियन मार्केट में सोने की कीमत में करीब 300 तक की कमी देखी गई, जिससे देश के कई शहरों में सोना 95,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के आस-पास कारोबार कर रहा है। दिल्ली, मुंबई, जयपुर, नोएडा और लखनऊ जैसे शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव 95,320 रुपये तक रहा, जबकि 22 कैरेट सोना 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में सबसे कम भाव देखने को मिला, जहां 22 कैरेट सोना 85,190 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा। चांदी की बात करें तो इसमें भी आज 100 की गिरावट देखी गई है और अब इसका दाम 99,700 रुपये प्रति किलो पर आ गया है। चांदी में हाल के दिनों में तेजी देखी गई थी, लेकिन अब उसमें भी थोड़ी नरमी देखने को मिल रही है।

सोने की कीमतों में इस गिरावट के पीछे वैश्विक स्तर पर बन रहे तनावपूर्ण हालात हैं। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव (टैरिफ वॉर) ने अंतरराष्ट्रीय मार्केट में सोने की चाल को प्रभावित किया है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सोना एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। लेकिन अगर टैरिफ वॉर गहराया, तो आने वाले छह महीनों में सोने की कीमत 1,38,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक भी जा सकती है। वहीं अगर हालात सुधरे, तो यह गिरकर 75,000 रुपये के स्तर तक भी आ सकता है।

भारत में सोने की कीमतें कई कारकों से प्रभावित होती हैं - जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजार का प्रदर्शन, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, आयात शुल्क और देश में मांग-आपूर्ति का संतुलन। त्योहारों और शादियों के मौसम में मांग बढ़ने से कीमतें तेजी से ऊपर जाती हैं।

5 साल में पहली बार! मार्च में महंगाई ने तोड़ी कमर खाने-पीने की चीजें हुईं सस्ती

नेशनल डेस्क। मार्च 2025 में भारत में महंगाई के मोर्चे पर बड़ी राहत देखने को मिली। खासकर खाद्य वस्तुओं और सब्जियों की कीमतों में आई नरमी ने न केवल आम लोगों को राहत दी बल्कि केंद्र सरकार को भी एक बड़ी राहत दी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार मार्च में खुदरा महंगाई दर केवल 3.34 प्रतिशत रही जो फरवरी में 3.61 प्रतिशत थी। यह 67 महीने में सबसे कम वृद्धि है जो अगस्त 2019 के बाद देखी गई है।रिपोर्ट के अनुसार मार्च में थोक महंगाई दर भी घटकर 2.05 प्रतिशत पर आ गई जबकि फरवरी में यह 2.38 प्रतिशत थी। इससे साफ है कि महंगाई पर काबू पाने में सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की नीतियां प्रभावी हो रही हैं। मार्च में खाद्य महंगाई की रफ्तार भी काफी सुस्त हुई है। खुदरा बाजार में खाद्य उत्पादों की कीमतों में 2.69 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई जबकि थोक बाजार में यह 1.57 प्रतिशत रही। यह दर्शाता है कि कीमतों में वृद्धि की गति धीमी हो गई है जिससे आम आदमी को राहत मिली है।

खासकर सब्जियों और प्रोटीन उत्पादों की कीमतों में गिरावट आई है जो खाद्य महंगाई को नियंत्रित करने में मददगार साबित हुई। खाद्य महंगाई नवंबर 2021 के बाद मार्च 2025 में सबसे कम रही है। मार्च में खाद्य महंगाई दर 2.69 प्रतिशत रही जो नवंबर 2021 के बाद का सबसे निचला स्तर था। इसमें प्रमुख योगदान सब्जियों और दालों की कीमतों में आई गिरावट का है। हालांकि कुछ खाद्य वस्तुओं जैसे फल और खाद्य तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली।

वहीं विनिर्मित उत्पादों की महंगाई मार्च में बढ़कर 3.07 प्रतिशत हो गई जबकि फरवरी में यह 2.86 प्रतिशत थी। इसके अलावा मार्च में ईंधन और बिजली की कीमतों में भी वृद्धि देखी गई जिससे थोक मुद्रास्फीति दर 0.20 प्रतिशत हो गई जो फरवरी में -0.71 प्रतिशत थी।

HDFC के बाद निजी सेक्टर के दूसरे सबसे बड़े बैंक ने उठाया बड़ा कदम

आपके बचत खाते पर चलाई कैंची

बिजनेस डेस्क: सरकारी और निजी बैंकों में एफडी और जमा पर ब्याज दरें घटाने की होड़ मच गई है। इस दौड़ में अब निजी सेक्टर का दूसरा सबसे बड़ा आईसीआईसीआई बैंक भी शामिल हो गया है। बैंक ने अपनी बचत खाता जमा ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है। बैंक की वेबसाइट पर दी गई जानकारी में बताया गया है कि सेविंग अकाउंट पर ज्यादा ब्याज नहीं मिलेगा। बैंक ने यह कदम उसके बड़े प्रतिद्वंद्वी एचडीएफसी बैंक द्वारा इसी तरह के कदम की घोषणा के कुछ दिन बाद उठाया गया है। एचडीएफसी ने आरबीआई द्वारा लगातार दो बार ब्याज दरों में कटौती के बाद जमा पेशकश में कटौती की घोषणा की थी।

वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार, आईसीआईसीआई बैंक के जमाकर्ताओं को 50 लाख रुपए तक के बचत बैंक शेष पर 2.75 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, जो एचडीएफसी बैंक की पेशकश के समान है। 50 लाख रुपए से अधिक के शेष के लिए यह 3.25 प्रतिशत होगी। आईसीआईसीआई बैंक की संशोधित दरें बुधवार यानी आज से लागू हो गईं।

देश का सबसे बड़ा ऋणदाता एसबीआई वर्तमान में बचत बैंक खातों के लिए 2.70 प्रतिशत की ब्याज दर प्रदान करता है। अन्य ऋणदाताओं ने भी पिछले कुछ दिनों में सावधि जमा दरों में कटौती की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569